वर्ष-10 अंक-260 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये
प्रयागराज, शनिवार 28 दिसम्बर 2024
TM
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित
आधुनिक समाचार नेटवर्क
Download From Google Play
Adhunik Samachar
नगर संस्करण
10

संक्षिप्त समाचार

तीन लाख रुपये वार्षिक आय वाले लोग भी ले सकेंगे अब सस्ता ऋण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इस बैठक में लिया गया फैसलावीरवार को स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. धनी राम शांडिल की अध्यक्षता में आयोजित निगम की 52वीं निदेशक मंडल की बैठक में हिमाचल प्रदेश अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम ने अल्पसंख्यकों व दिव्यांगजनों को स्वरोजगार स्थापित करने और विस्तार के लिए रियायती दरों पर ऋण प्रदान करने की पारिवारिक आय सीमा बढ़ाकर तीन लाख रुपये कर दिया है। हिमाचल प्रदेश अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम ने अल्पसंख्यकों व दिव्यांगजनों को स्वरोजगार स्थापित करने और विस्तार के लिए रियायती दरों पर ऋण प्रदान करने की पारिवारिक आय सीमा बढ़ाकर तीन लाख रुपये कर दिया है। पहले यह आय सीमा ग्रामीण क्षेत्रों में 98 हजार रुपये तथा शहरी क्षेत्रों में 1.20 लाख रुपये थी। वीरवार को स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. धनी राम शांडिल की अध्यक्षता में आयोजित निगम की 52वीं निदेशक मंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया।डॉ. शांडिल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में अल्पसंख्यकों एवं दिव्यांगों के सशक्तिकरण एवं उत्थान के लिए प्रदेश सरकार प्रभावी कदम उठा रही है। इसी कड़ी में अल्पसंख्यकों एवं दिव्यांगों के कल्याण के लिए एवं उनको स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है। हिमाचल प्रदेश अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान अल्पसंख्यकों को 1296.95 लाख रुपये का ऋण तथा दिव्यांगजनों को 540.83 लाख रुपये का ऋण रियायती ब्याज दर पर दिया गया है। इस वित्त वर्ष में भी अधिक से अधिक लाभार्थियों को जोड़ने और उन्हें रियायती दर पर ऋण उपलब्ध करवाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सचिव आशीष सिंहमार, निगम के प्रबंध निदेशक मनोज कुमार, निदेशक महिला एवं बाल विकास गंधर्वा राठौर और निगम के निदेशक मंडल के अन्य सदस्यों उपस्थित रहे।

मनमोहन सिंह के निधन से देश में शोक की लहर; शाह से लेकर सोनिया तक, घर जाकर किया पूर्व पीएम को नमन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह गुरुवार को दुनिया को अलविदा कह गए। उनके निधन से पूरे देश में शोक की लहर है। पीएम मोदी और राहुल गांधी समेत कई नेता पूर्व पीएम सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने उनके आवास पर पहुंचे। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह गुरुवार को 92 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गए। उनके निधन की खबर से पूरे देश में शोक की लहर है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के आवास पर पहुंचे। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा भी श्रद्धांजलि देने उनके आवास पर पहुंचे। इस दौरान मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर मौजूद रहीं। केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के 26 दिसंबर, 2024 को नई दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन के बाद 26 दिसंबर, 2024 से एक जनवरी, 2025 तक पूरे देश में सात दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की है। इस दौरान, उन सभी स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा, जहां इसे पारंपरिक रूप से फहराया जाता है और सभी आधिकारिक कार्यक्रम स्थगित रहेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। इससे पहले उन्होंने शोक संदेश में कहा, 'पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का जीवन देशवासियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहा। एक अर्थशास्त्री के रूप में उन्होंने अलग-अलग स्तर पर भारत सरकार में सेवाएं दीं। उन्होंने रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में सेवाएं दीं। पूर्व पीएम पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री रहे और देश में आर्थिक उदारीकरण की नींव रखी। जनता के प्रति, देश के विकास के प्रति उनका जो समर्पण था, उसे हमेशा बहुत सम्मान से देखा जाएगा। डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन ईमानदारी, सादगी का प्रतीक था। उनकी सौम्यता, बौद्धिकता उनके जीवन की पहचान रही। मुझे याद है, जब राज्यसभा में उनका कार्यकाल समाप्त हुआ था तो मैंने कहा था कि उनका बतौर सांसद समर्पण सीखने लायक है। उच्च पदों पर रहने के बावजूद अपनी जड़ों को कभी नहीं भूले। वे सभी के लिए सहज उपलब्ध रहे। जब मैं मुख्यमंत्री था तो मनमोहन सिंह के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर खुले मन से चर्चा होती थी। दिल्ली आने के बाद भी उनसे समय-समय पर चर्चा होती थी, वो चर्चाएं और मुलाकातें मुझे हमेशा याद रहेंगी। आज इस कठिन घड़ी में मैं उनके परिवार के प्रति संवेदानाएं अर्पित करता हूं।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने उनके आवास पहुंचे हैं। उन्होंने नम आंखों से श्रद्धा-सुमन अर्पित की। बता दें, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर कल 28 दिसंबर को कांग्रेस मुख्यालय लाया जाएगा, जहां लोग उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। उनका अंतिम संस्कार राजघाट के पास किया जाएगा।

उनका जीवन ईमानदारी, सादगी का प्रतीक', मनमोहन सिंह को याद कर भावुक हुए पीएम मोदी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पीएम मोदी ने कहा कि मनमोहन सिंह का जीवन भावी पीढ़ियों के लिए उदाहरण है कि से वे सभी चुनौतियों से पार पाकर ऊंचाई पर पहुंच सकते हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि 'वह हमेशा एक ईमानदार नेता, एक महान अर्थशास्त्री और सादगी का प्रतीक था। उनकी सौम्यता, बौद्धिकता उनके जीवन की पहचान रही। मुझे याद है, जब राज्यसभा में उनका

किस तरह से वे सभी चुनौतियों से पार पाकर ऊंचाई पर पहुंच सकते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन से पूरे देश में शोक की लहर है। देश में सात दिन के राष्ट्रीय शोक का एलान किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मनमोहन सिंह के आवास जाकर पूर्व पीएम के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक शोक संदेश जारी किया और पूर्व पीएम को याद किया। पीएम मोदी ने कहा कि 'पूर्व पीएम मनमोहन सिंह से निधन से हम सभी दुखी हैं। उनका जाना देश के लिए बड़ा झटका है। मनमोहन सिंह का जीवन भावी पीढ़ियों के लिए उदाहरण है कि किस तरह एक ऐसा नेता के तौर पर याद रखे जाएंगे, जिन्होंने खुद को सुधारों के प्रति समर्पित कर दिया। एक अर्थशास्त्री के रूप में, खासकर चुनौतीपूर्ण समय में उन्होंने देश की बड़ी सेवा की। उन्होंने अलग-अलग पदों पर अपने सेवाएं दीं और देश की विकास यात्रा में अहम योगदान दिया। उन्होंने रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में सेवाएं दीं। पूर्व पीएम पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री रहे और देश में आर्थिक उदारीकरण की नींव रखी।' पीएम मोदी ने कहा कि 'जनता के प्रति, देश के विकास के प्रति उनका जो समर्पण था, उसे हमेशा बहुत सम्मान से देखा जाएगा। डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन ईमानदारी, कार्यकाल समाप्त हुआ था तो मैंने कहा था कि उनका बतौर सांसद समर्पण सीखने लायक है प्रधानमंत्री ने कहा 'उच्च पदों पर रहने के बावजूद मनमोहन सिंह अपनी जड़ों को कभी नहीं भूले। वे सभी के लिए सहज उपलब्ध रहे। जब मैं मुख्यमंत्री था तो मनमोहन सिंह के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर खुले मन से चर्चा होती थी। दिल्ली आने के बाद भी उनसे समय-समय पर चर्चा होती थी, वो चर्चाएं और मुलाकातें मुझे हमेशा याद रहेंगी। आज इस कठिन घड़ी में मैं उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं अर्पित करता हूं।

सुप्रीम कोर्ट का पंजाब सरकार को नोटिस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कोर्ट ने कहा कि हम किसान नेता डल्लेवाल के जीवन और सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। पंजाब सरकार उन्हें चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए। कोर्ट ने पंजाब सरकार से कहा कि अगर कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा होती है तो आपको उससे सख्ती से निपटना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता देने के आदेश का पालन नहीं करने के लिए मुख्य सचिव के खिलाफ अवमानना याचिका को लेकर पंजाब सरकार को नोटिस जारी किया। किसान नेता को चिकित्सा सहायता मामले में कोर्ट ने पंजाब सरकार को शनिवार तक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।कोर्ट ने कहा कि हम किसान नेता डल्लेवाल के जीवन और सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। पंजाब सरकार उन्हें चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए। कोर्ट ने पंजाब सरकार से कहा कि अगर कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा होती है तो आपको उससे सख्ती से निपटना होगा।

अन्नामलाई ने खुद को मारे कोड़े; बीते दिन किया था 48 दिन के उपवास का एलान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अन्ना यूनिवर्सिटी में हुई घटना ने पूरे चेन्नई को हिलाकर रख दिया है। यहां एक इंजीनियरिंग की छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न किया गया। मामला तब सामने आया, जब छात्रा ने इसकी पुलिस से खुद शिकायत की। इस से हटा नहीं दिया जाता, तब तक वह जूते नहीं पहनेंगे। अन्ना यूनिवर्सिटी में हुई घटना ने पूरे चेन्नई को हिलाकर रख दिया है। तमिलनाडु की राजनीति गरमाने लगी है। यहां एक इंजीनियरिंग की छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न किया गया। मामला तब सामने आया, जब छात्रा ने इसकी पुलिस से खुद शिकायत की थी। शुरू में पुलिस ने केस को हल्के में लिया और कोई कार्रवाई नहीं की। सोशल मीडिया पर केस उछला तब पुलिस हरकत में आई। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। 37 वर्षीय आरोपी यूनिवर्सिटी परिसर के पास में बिरयानी बेचता है। घटना 23 दिसंबर की है। छात्रा ने बताया कि सोमवार रात करीब आठ बजे वह कॉलेज परिसर में अपने दोस्त से बात कर रही थी। तभी आरोपी वहां पहुंचा और उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। ग्रेटर चेन्नई महानगर पुलिस ने एक बयान में बताया कि पीड़िता ने कोट्टूरपुरम महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई और मामला दर्ज कर लिया गया। बयान के मुताबिक जांच के लिए चार विशेष टीम गठित की गई हैं।

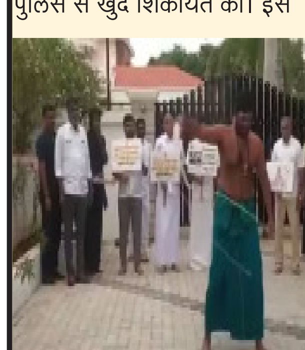

मामले को लेकर राजनीति गरमाने लगी है। चेन्नई स्थित अन्ना विश्वविद्यालय कैंपस में एक छात्रा से कथित यौन उत्पीड़न का मामला हाल ही में सामने आया। इस घटना को लेकर पूरे राज्य में रोष है। वहीं तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई भी बहुत गुस्से में हैं। उन्होंने न्याय की मांग करते हुए खुद को कोड़े मारे। साथ ही राज्य सरकार पर हमलावर हुए। उन्होंने इससे एक दिन पहले एलान किया कि वह 48 दिनों के लिए उपवास पर रहेंगे। अन्नामलाई ने कहा कि जब तक डीएमके को सत्ता

मध्य प्रदेश समेत तीन राज्यों की जानकारी से संतुष्ट नहीं संसदीय समिति, 15 दिन में दोबारा मांगा ब्योरा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। गुरुवार को वक्फ संपत्ति की स्थितियों को लेकर संसदीय समिति ने राज्यों के प्रतिनिधियों से चर्चा की। समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा कि हमने राज्यों से वक्फ संपत्तियों के बारे में ब्योरा मांगा है। समिति कर्नाटक, राजस्थान और मध्य प्रदेश की ओर से वक्फ संपत्ति की स्थिति को लेकर दिए गए जवाबों से संतुष्ट नहीं है। वक्फ संशोधन विधेयक की समीक्षा कर रही संयुक्त संसदीय समिति ने राज्य के प्रतिनिधियों से मौखिक साक्ष्य रिकॉर्ड किए। मगर समिति कर्नाटक, राजस्थान और मध्य प्रदेश की ओर से वक्फ संपत्ति की स्थिति को लेकर दिए गए जवाबों से संतुष्ट नहीं है। अब संसदीय समिति ने तीनों राज्यों के प्रतिनिधियों को जवाब देने के लिए 15 दिन का वक्त दिया है। गुरुवार को वक्फ संपत्ति की स्थितियों को लेकर संसदीय समिति ने राज्यों के प्रतिनिधियों से चर्चा की। समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा कि हमने राज्यों से वक्फ संपत्तियों के बारे में ब्योरा मांगा है। इसमें सरकार के पास संपत्तियों का पंजीकरण, संपत्तियों का उपयोगकर्ता और रजिस्ट्री के आधार पर सूचीकरण और ऐसी संपत्तियों से होने वाली आय और उनकी प्रकृति को बदलने के उपाय की जानकारी मांगी गई है। मगर तीन राज्यों के प्रतिनिधियों की ओर से दिए गए जवाब संतोषजनक नहीं थे, हमने उन्हें जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया है। आवश्यकता पड़ने पर उन्हें दोबारा बुलाया जाएगा। इन राज्यों ने अल्पसंख्यक कार्य विभाग की ओर से जारी किए गए प्रारूप में जवाब नहीं दिए।अध्यक्ष पाल ने कहा कि समिति 18 से 20 जनवरी तक कोलकाता, पटना और लखनऊ का दौरा करेगी और विभिन्न हितधारकों से बात करेगी। उन्होंने कहा कि कुछ सदस्यों ने जम्मू-कश्मीर जाने की इच्छा व्यक्त की है। इस बारे में निर्णय लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से परामर्श के बाद लिया जाएगा।वक्फ संशोधन विधेयक के लिए गठित समिति का कार्यकाल बजट सत्र 2025 के आखिरी दिन तक बढ़ाया गया है। लोकसभा ने इस प्रस्ताव पर मंजूरी दे दी। समिति को इस सप्ताह के अंत तक रिपोर्ट देनी थी। मामले में समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल का कहना है कि समिति के सभी सदस्य इस बात पर सहमत हैं कि जेपीसी का कार्यकाल बढ़ाया जाना चाहिए।लोकसभा में आठ अगस्त को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू ने 'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024' पेश किया था। इसके साथ ही इससे जुड़े निष्क्रिय हो चुके पुराने अधिनियम को कागजों से हटाने के लिए 'मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक, 2024' को भी पेश किया गया था। नए विधेयक का नाम एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम होगा। अंग्रेजी में यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट एंपावरमेंट एफिशिएंट एंड डेवलपमेंट यानी 'उम्मीद'। इस विधेयक का विपक्ष ने पुरजोर विरोध किया था। उसके बाद नौ अगस्त को इसे आगे की चर्चा के लिए संसद की संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया गया था।

झमाझम बारिश ने दिल्ली में बढ़ाई ठिठुरन, अभी और बरसेंगे बदरा; यहां पढ़ें कैसा रहेगा मौसम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में नया पश्चिम विक्षोभ सक्रिय होने से शुक्रवार व शनिवार को बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से धूल भरी आंधी भी चलने का अनुमान है।दिल्ली-एनसीआर में आज लोगों की सुबह की शुरुआत बारिश के साथ हुई। दिल्ली के कई इलाकों में तेज बारिश हुई। वहीं कुछ एक इलाके हल्की बारिश हुई है। दिल्ली एनसीआर में पड़ रही ठंड के बीच बारिश ने और सर्दी बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने लोगों को ठंड से बचने की चेतावनी दी है। आईएमडी के अनुसार, आज दिल्ली का न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में नया पश्चिम विक्षोभ सक्रिय होने से शुक्रवार व शनिवार को बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से धूल भरी आंधी भी चलने का अनुमान है। इसके बाद हल्की से मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है। वहीं, विभाग ने नए साल की पूर्व संध्या से पारा लुढ़कने के आसार जताए हैं। ऐसे में न्यूनतम तापमान छह डिग्री के आसपास पहुंच सकता हवहीं गुरुवार को सफदरजंग में सुबह साढ़े सात बजे के करीब दृश्यता 100 मीटर दर्ज की गई, जबकि पालम केंद्र में इस दौरान दृश्यता 300 मीटर दर्ज की गई। इससे वाहन चालकों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। न्यूनतम तापमान एक डिग्री सेल्सियस अधिक 8.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 24.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पूसा में न्यूनतम तापमान अन्य केंद्र के मुताबिक सबसे कम दर्ज किया गया। यहां न्यूनतम तापमान 7.1 डिग्री सेल्सियस रहा।

अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ पुलिस का एक्शन, छह साल से छिपकर रह रही महिला को वापस भेजा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।दक्षिण पश्चिम जिले की एंटी-नारकोटिक्स यूनिट द्वारा एक अवैध बांग्लादेशी महिला को डिपोट किया गया। 28 वर्षीय महिला की पहचान सोनाली शेख के रूप में की गई है। अवैध रूप से दिल्ली में रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। दक्षिण पश्चिम जिले की एंटी-नारकोटिक्स यूनिट ने एक अवैध बांग्लादेशी महिला को पकड़कर वापस भेजा है। एंटी-नारकोटिक्स यूनिट से मिली जानकारी के मुताबिक, दक्षिण पश्चिम जिले की एंटी-नारकोटिक्स यूनिट द्वारा एक अवैध बांग्लादेशी महिला को डिपोट किया गया। 28 वर्षीय महिला की पहचान सोनाली शेख के रूप में की गई है। वह पिछले 6 वर्षों से विदेशी अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए भारत में रह रही थी।

बिलासपुर में कश्मीरी व्यापारियों पर हमले के आरोप, महबूबा मुफ्ती की सीएम सुक्खू से हस्तक्षेप की मांग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
हिमाचल प्रदेश। जिला बिलासपुर में कश्मीरी शॉल विक्रेताओं पर कथित हमले हमले और उत्पीड़न का आरोप लगाया है। वहीं, जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने हिमाचल के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू से हस्तक्षेप की मांग की है। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में कश्मीरी शॉल विक्रेताओं पर जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने हो कथित हमलों और उत्पीड़न का आरोप लगाया है। सोशल मीडिया पर पीडीपी नेता ने एक पोस्ट कर लिखा है कि इन व्यापारियों को दस्तावेज पूरे होने के बावजूद बिलासपुर जिले में व्यापार करने से रोका जा रहा है और उन्हें धमकियां दी जा रही हैं। पीडीपी प्रमुख और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने इस मुद्दे पर चिंता जाहिर करते हुए हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से हस्तक्षेप करने की अपील की है। महबूबा मुफ्ती ने सोशल मीडिया पर लिखा है हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में कश्मीरी शॉल विक्रेताओं को दक्षिणपंथी समूहों से उत्पीड़न, हमले और धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। आगे लिखती हैं कि ''उचित दस्तावेजों के बावजूद, उन्हें व्यवसाय करने से रोका जा रहा है और बेदखल किया जा रहा है।

एसजेएस ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन श्री रमेश बहादुर के जीवन पर आधारित उपन्यास 'शून्य से शून्य तक' का विमोचन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
रायबरेली। कचेहरी रोड स्थित एसजेएस पब्लिक स्कूल का आज वार्षिक अभिभावक मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम

के मुख्य अतिथि के तौर पर सीडीआरआई के पूर्व डिप्टी डायरेक्टर, साइनटून्स के जनक और प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉक्टर प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने शिरकत की कार्यक्रम में एसजेएस ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चैयरमैन श्री रमेश बहादुर सिंह के जीवन पर आधारित उपन्यास 'शून्य से शून्य तक' का विमोचन किया गया। गेस्ट ऑफ ऑनर और 'शून्य से शून्य तक' के लेखक डॉक्टर नरेश कात्यायन ने बताया कि ये उपन्यास शून्य से शिखर तक पहुंचने की कहानी है जिसे आत्मवृत्तात्मक शैली में लिखा गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन एसजेएस ग्रुप ऑफ स्कूल्स के अध्यक्ष डॉक्टर आर पी सिंह, मुख्य अतिथि डॉक्टर प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, गेस्ट आफ ऑनर डॉक्टर नरेश कात्यायन और ग्रुप के चेयरमैन रमेश बहादुर सिंह ने सयुंक्त रूप से किया। कार्यक्रम की शुरुवात विधिवत पूजा अर्चना के साथ हुई। कार्यक्रम की शुरुवात में सबसे पहले ओपन सेशन रखा गया जिसमें आये हुए अभिभावकों ने प्रबंध तंत्र से अपनी जिज्ञासाएं रखी और तमाम सुझाव रखे। एसजेएस ग्रुप ऑफ स्कूल्स के सचिव(प्रशासन) श्री अग्रज सिंह ने अभिभावकों की तमाम जिज्ञासाओ का सहजता से उत्तर दिया। गणेश जी की प्रतिमा और सरस्वती जी की प्रतिमा व स्वामी जानकी शरण जी, मधुलता सिंह जी, बाबू करन बहादुर सिंह जी, शकुंतला सिंह जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मां दुर्गा स्तुति,दक्षिण भारत की महान परंपरा भूत कोला पर आधारित नाट्य प्रस्तुति, राज्यवर्ती त्योहारों पर आधारित प्रस्तुति,प्रकृति संतुलन पर आधारित प्रस्तुति, नारी शक्ति पर आधारित मंचन व भगवान गणपति की ओजस्वी प्रस्तुति शामिल रहीं। कार्यक्रम के लकी स्पीकर और लकी गार्जियन का चुनाव किया गया जिनमे सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के एसजेएस ग्रुप ऑफ स्कूल्स के सचिव (वित्त) श्री अनुज सिंह ने आए हुए समस्त अभिभावकों और मेहमानों का स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉक्टर प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने विज्ञान को सहज तरीके से पढ़ाने पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों में विज्ञान के प्रति लगाव जगाने की जरूरत है। वही गेस्ट ऑफ ऑनर डॉक्टर नरेश कात्यायन ने कहा कि शून्य से शून्य तक उपन्यास जीवन के शून्य से प्रारंभ होकर 360 के व्रत रूपी शून्य की यात्रा की सत्य कथा है। एसजेएस ग्रुप ऑफ स्कूल्स के अध्यक्ष डॉक्टर आर पी सिंह ने भी आये हुए अभिभावकों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में प्राइमरी विंग, जूनियर विंग और सीनियर विंग में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं और उनके परिजनों को एसजेएस ग्रुप आफ स्कूल्स की संयुक्त सचिव डॉक्टर अनुश्री सिंह और श्रीमती प्रियंका सिंह ने सम्मानित क़िया। एसजेएस ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन श्री रमेश बहादुर सिंह ने अभिभावकों के समक्ष अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मेहनत और लगन से सफलता के शिखर पर पहुंच सकते है।

इलाहाबाद विवि के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष इंदू प्रकाश का निधन, हार गए कैंसर से जंग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
प्रयागराज। आजमगढ़ के जियापुर के मूल निवासी इंदू प्रकाश सिंह शहर के गोविंदपुर में रहते थे। वह 1987 में छात्रसंघ महामंत्री और 1995 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष चुने गए थे। वह काफी समय से कैंसर की बीमारी से जूझ रहे थे। उनका उपचार नई दिल्ली के एम्स में चल रहा था। इंदू प्रकाश इलाहाबाद हाईकोर्ट में वकालत करते थे। इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष इंदू प्रकाश सिंह का निधन हो गया। वह काफी समय से कैंसर की बीमारी से जूझ रहे थे। शुक्रवार को सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से शोक की लहर दौड़ गई। इंदू प्रकाश इलाहाबाद हाईकोर्ट में वकालत करते थे। उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार रसूलाबाद घाट पर शाम चार बजे किया जाएगा। आजमगढ़ के जियापुर के मूल निवासी इंदू प्रकाश सिंह शहर के गोविंदपुर में रहते थे। वह 1987 में छात्रसंघ महामंत्री और 1995 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष चुने गए थे। वह काफी समय से कैंसर की बीमारी से जूझ रहे थे। उनका उपचार नई दिल्ली के एम्स में चल रहा था। हालत में सुधार न होने पर परिजन उन्हें प्रयागराज ला रहे थे। शुक्रवार को भोर में रास्ते में ही उनकी सांसें थम गईं। उनके घर पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा हुआ है। इंदु प्रकाश सिंह मूलत आजमगढ़ जनपद के बहलोलपुर, मेहनाजपुर तरवां के रहने वाले थे। उनके पिता का नाम शंभूनाथ सिंह, बड़े भाई कर्नल ओमप्रकाश सिंह, दूसरे स्थान पर इंदु प्रकाश सिंह उर्फ नेता जी, एक बहन गीता सिंह जो इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पत्राचार संस्थान में कार्यरत थीं। सबसे छोटे भाई सुधीर कुमार सिंह उच्च न्यायालय इलाहाबाद में अधिवक्ता हैं। इंदुप्रकाश सिंह आजमगढ़ से प्रयागराज में 1980 में अध्ययन करने के लिए आए थे। राजनीति के खिलाड़ी हेमवती नंदन बहुगुणा के सानिध्य में आकर 1983 में राजनीति का ककहरा सीखना शुरू कर दिया था।

बच्चों के चतुर्मुखी विकास के लिए किया जाता है प्रतियोगिता का आयोजन : दिनेश चन्द्र गुप्ता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
प्रयागराज। तीन दिवसीय केसरवानी वैश्य साहित्य कला विज्ञान प्रतियोगिता आयोजित केसरवानी वैश्य सभा प्रयागराज के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय केसरवानी वैश्य साहित्य कला विज्ञान बाल नृत्य फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सभा के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट दिनेश चंद्र गुप्ता ने कहा कि इस प्रतियोगिता का आयोजन केसरवानी वैश्य समाज के बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहन देने और उनके चतुर्मुखी विकास के उद्देश्य से किया जाता है ।उन्होंने कहा कि अभी तक वैश्य समाज के बच्चे बचपन से ही अपने पुश्तैनी व्यापार में संलग्न हो जाते थे जिसके कारण वह उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते थे परंतु अब हमारे केसरवानी वैसे समाज में एक बड़ा बदलाव आया है और हमारे बच्चों खास कर लड़कियों का रुझान बहुत तेजी से शिक्षा की ओर बढ़ बड़ा है और वह विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बढ़कर हिस्सा ही नहीं लेते वर्णन वहां सफलता के झंडे

गाड़ कर तमाम उच्च पदों आईएएस पीसीएस पीसीएस जे डॉक्टर व इंजीनियर बनकर हमारे समाज का गौरव बढ़ा रहे हैं।उन्होंने कहा कि हमारे समाज के पुरौधाओं ने इस चीज को काफी शिद्दत से महसूस किया था कि बिना समाज के आगे बढ़े हम अति पिछड़े हो जाएंगे इसीलिए विगत 27 वर्ष पूर्व से बच्चों को प्रोत्साहन देने हेतु इस प्रतियोगिता का आयोजन शुरू किया गया और हमारे इस मंच से निकलकर तमाम बच्चे आज हमारे समाज का मान बड़ा रहे हैं । केसरवानी वैश्य धर्मशाला ठाकुरदीन का हांथा बहादुरगंज में आयोजित तीन दिवसी इस प्रतियोगिता के प्रथम दिन आज विभिन्न वर्गों किशोर ऐ किशोर बी एवम युवा वर्ग में विभाजित चित्रकला निबंध विज्ञान क्विज सामान्य ज्ञान एवं वाद - विवाद प्रतियोगिताओं में लगभग 500 बच्चों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया । आज प्रातः प्रतियोगिता का उद्घाटन सभा के अध्यक्ष रस्म जी केसरवानी पूर्व अध्यक्ष दिनेश चंद्र गुप्ता शिवनाथ गुप्ता डॉक्टर अशोक गुप्ता गोरखनाथ केशरवानी हरिश चंद्र गुप्ता आदि ने दीप प्रज्वलित कर एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया । कार्यक्रम का संचालन प्रमुख मंत्री सुनीर केसरवानी ने किया, प्रतियोगिता में कार्यक्रम के प्रमुख संयोजक दिनेश कुमार केसरवानी संयोजक मंडल के सदस्य राजेश कुमार गुप्ता बैजनाथ केसरवानी राजेंद्र गुप्ता रजनीश केसवानी तथा सभा के सदस्य संगम लाल केशरवानी राकेश केसरवानी लक्ष्मीकांत केसरवानी सत्य प्रकाश केसरवानी नंद किशोर केसरवानी बैजनाथ केसरवानी संजय केसरवानी विवेक केसरवानी दिनेश केसरवानी रवि गुप्ता लवकुश केशरवानी आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दिया ।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है।
रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

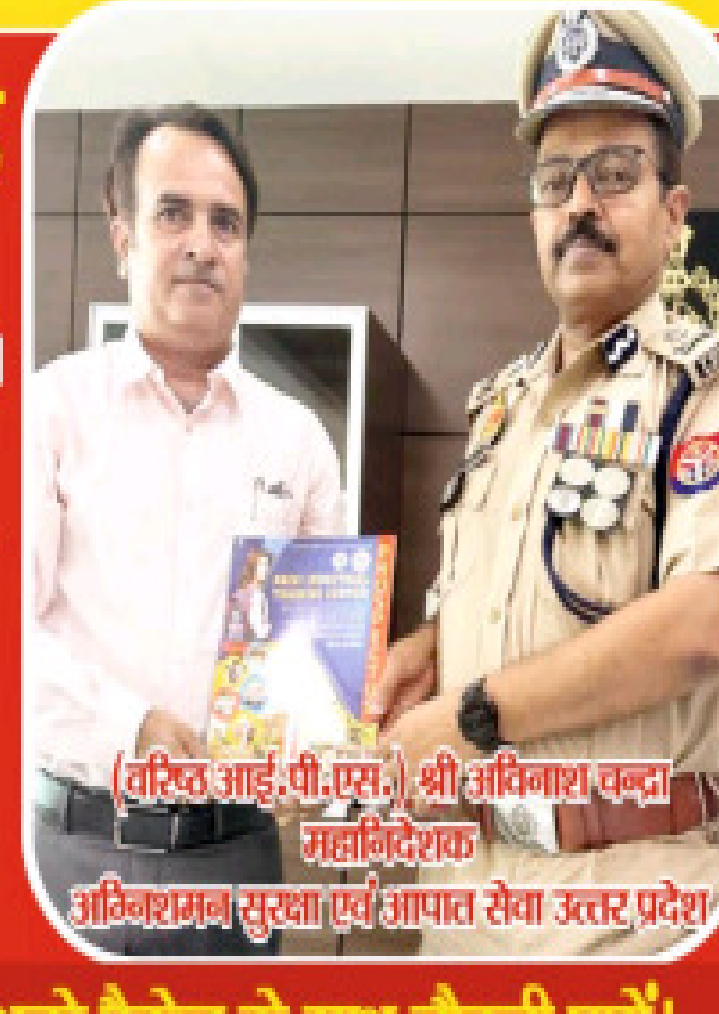

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

प्रदेश आस/पास

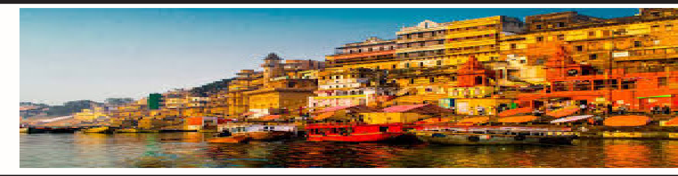

भारत

मा0 मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने किया रायबरेली महोत्सव का फीता काटकर शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। मा0 राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह ने किया रायबरेली महोत्सव का उद्घाटन किया, जीआईसी ग्राउंड में 31 जनवरी तक चलेगा रायबरेली सरकार हस्तशिल्प के कारीगरों को सहयोग कर उन्नति कर रही है मुख्य अतिथि उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि रायबरेली महोत्सव का आयोजन यहां के लोगों के लिए काफी महत्वपूर्ण रहता है रोजगार का अवसर प्रदान करना है। मीडिया प्रभारी आशीष पाठक ने बताया की रायबरेली महोत्सव में रायबरेली के दुकानदारों के साथ साथ उत्तर प्रदेश एवं अन्य प्रदेशों से भी दुकानदार आए हुए हैं रावली महोत्सव

महोत्सव। रायबरेली महोत्सव में दिव्य महाकुंभ की सेल्फी का फीता काटकर काटकर ' रायबरेली महोत्सव का आगाज हो गया। महोत्सव के मीडिया प्रभारी आशीष पाठक ने पूरे कार्यक्रम का संचालन किया एवं उद्यान मंत्री के रायबरेली महोत्सव पर पहुंचते ही सैकड़ो दुकानदारों के साथ आयोजक राकेश गुप्ता एवं आशीष पाठक ने भव्य माला एवं फूलों की वर्षा करके मुख्य अतिथि का स्वागत किया।इस मौके पर उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि ऐसे सामाजिक आयोजन समाज को नई दिशा देते हैं।केन्द्र और राज्य जो लोग अपने बच्चों को बड़े-बड़े माल में नहीं ले जा पाते हैं वह रायबरेली महोत्सव में आकर अपने बच्चों की ख्वाहिशों को पूरा करते हैं दूसरी ओर आत्मनिर्भर भारत के तहत यहां बेरोजगारों को रोजगार भी देने का काम आयोजक राकेश गुप्ता जी कर रहे हैं रायबरेली महोत्सव समिति धन्यवाद के पात्र है । आयोजन समिति के आयोजक राकेश गुप्ता ने बताया कि कई राज्यों से हस्तशिल्प उत्पाद महोत्सव में आए हैं। महोत्सव का मुख्य उदेश्य एक भारत, श्रेष्ठ भारत, आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करते हुए विलुप्त होती लोककलाओं को नवजीवन प्रदान करने के साथ में आपको कश्मीरी कपड़े जयपुरी रजाई राजस्थानी व्यंजन के साथ-साथ गुजरात उड़ीसा महाराष्ट्र आदि प्रदेशों की वस्तु मिलेगी रायबरेली रायबरेली महोत्सव अपनी भव्यता और सुंदरता के लिए प्रचलित है इस मौके पर प्रमुख रूप से रायबरेली महोत्सव समिति के संयोजक विजय यादव, भाजपा किसान नेता रमेश बहादुर सिंह, जिला कार्यसमिति सदस्य संतोष पांडे, उद्योग व्यापार मंडल अतुल गुप्ता, त्रिलोचन सिंह, महेंद्र अग्रवाल, एक्यूप्रेशर चिकित्सा भगवान दीन यादव,अखिलेश द्विवेदी, अमरजीत मौर्य,पंकज साहू सहित सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे।

डीएम की अध्यक्षता में पर्यटन की विभाग की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। टूरिस्टप्लेस व होटल, ढाबा, रोस्टोरेन्ट धार्मिक स्थलों इत्यादि का नमूना सर्वेक्षण होना है, जिसके लिए 02 सर्वेयर यहां पर लगाये गये है जो यहां पर सर्वे का कार्य

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, उप निदेशक कृषि/प्रभारी पर्यटन अधिकारी विनोद कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें। बैठक में प्रभारी पर्यटन अधिकारी ने बताया कि जनपद के पर्यटन को बढ़ावा देने व पर्यटकों को बेहतर सुविधाए प्रदान करने के लिए करेंगे।जिलाधिकारी ने कहा कि सर्वे का कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न कराने हेतु सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सर्वेयर को सर्वे में यदि कोई समस्या आती है तो शीघ्र ही उसका निराकरण कराएं, जिससे सर्वे का कार्य पूर्ण कराया जा सके।

मा0 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने श्रद्धेय पं0 अटल बिहारी वाजपेई जी जयंती मनाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने बुधवार को भा0ज0पा0 (अटल भवन) कार्यालय रायबरेली में करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणाश्रोत, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जी के जन्म शताब्दी के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया एवं आयोजित गोष्ठी में उपस्थित कार्यकर्ता बंधुओं को संबोधित किया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष

भाजपा बुद्धिलाल पासी जी, जिला चुनाव अधिकारी राकेश मिश्रा, क्षेत्रीय मंत्री अवध क्षेत्र, दिलीप यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष पशुपति शंकर बाजपेई, पूर्व एम.एल.सी. एवं राष्ट्रीय परिषद सदस्य राकेश प्रताप सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष आर.बी. सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रंजना चौधरी, पूर्व विधायक राजाराम त्यागी, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा सुधा अवस्थी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भाजपा किरण सिंह, संयोजक शिक्षक प्रकोष्ठ दिलीप द्विवेदी, पूर्व प्रदेश संयोजक श्रम प्रकोष्ठ सुरेन्द्र सिंह दाढ़ी सहित सभी कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहें।

मासूम के साथ दरिंदगी बेटी की चीख सुन पड़ोसी के घर पहुंचा पिता; पीड़िता को लहूलुहान छोड़ भागा आरोपी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

आजमगढ़। यूपी के आजमगढ़ में ढाई साल की मासूम के साथ दरिंदगी का मामला सामने आया है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। पवई थाने की पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। तहरीर के अनुसार, पिता को देखकर आरोपी अपने घर से भाग गया था।आजमगढ़ के पवई थाना क्षेत्र के एक गांव में ढाई साल की मासूम के साथ पड़ोसी द्वारा हैवानियत करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने बिटिया के पिता तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। वहीं आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।घटना बीती शाम पांच बजे की है। उस वक्त ढाई वर्षीय बालिका अपने घर के बाहर खेल रही थी। अचानक उसके पिता ने उसके चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनी और वह घर बाहर आए तो देखा कि उसकी बच्ची बगल के घर में चिल्ला रही है। जब वह वहां गया तो देखा कि उसका पड़ोसी 27 वर्षीय इंद्रेश उसकी बच्ची के साथ दुष्कर्म कर रहा था और वह चीख रही थी।बच्ची के पिता को देख कर वह युवक बच्ची को लहुलूहान हालत में छोड़कर भाग गया। उसके बाद पिता ने घटना की सूचना डायल 112 नंबर पर पुलिस को दी।

सीए एसोसिएशन को हराकर टैक्स बार एसोसिएशन ने जीती फ्रेंडशिप ट्रॉफी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। शहर के जीआईसी मैदान में बुधवार को चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) एसोसिएशन और टैक्स बार एसोसिएशन के बीच में मैत्रीपूर्ण (फ्रेंडशिप) क्रिकेट मुकाबला खेला गया। एकदिवसीय फ्रेंडशिप मुकाबले में टैक्स बार एसोसिएशन ने दो विकेट शेष रहते हुए सीए एसोसिएशन की तरफ से दिए गए 89 रनों के लक्ष्य को बनाकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली। टैक्स बार एसोसिएशन की तरफ से ऑल राउडंर की भूमिका निभाने वाले एडवोकेट हितेश को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। सीए टीम का नेतृत्व सीए सुशील संतानी और टैक्स बार एसोसिएशन टीम का विजय प्रताप सिंह ने किया। मैच का टॉस मुख्य अतिथि व पूर्व राष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी अश्वनी बाजपेई जी ने कराया। ट्रॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सीए एसोसिएशन के कैप्टन सुशील संतानी ने बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सीए एसोसिएशन की टीम निर्धारित 16 ओवर में 88 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम की तरफ से शानदार प्रदर्शन सीए अवनींद्र प्रताप सिंह का रहा। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपने टीम के लिए 35 रन जोड़े और किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में दो विकेट भी लिए। सीए शिवेंद्र श्रीवास्तव ने 19, निश्चय गुप्ता ने 11 रन बनाकर टीम का स्कोर 88 रनों तक पहुँचाया। टैक्स बार एसोसिएशन की तरफ से किफायती गेंदबाजी कर कुलदीप ने चार ओवर में महज 12 रन देकर 5 विकेट लिए। योगेंद्र ने दो, हितेश, निमिष और कैप्टन विजय सिंह ने एक-एक विकेट चटकाए। एडवोकेट विजय सिंह के नेतृत्व में लक्ष्य का पीछा करने उतरी टैक्स बार एसोसिएशन टीम के 20 रन पर पांच विकेट हो चुके थे। तब ऐसा लग रहा था कि सीए एसोसिएशन मुकाबले को आसानी से जीत लेगा। लेकिन सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए हितेश कुमार की ताबतोड़ 43 रनों की पारी ने टीम को जीत की दहलीज पर पहुँचा दिया। बल्लेबाज अरुण वर्मा ने चौके के साथ में टीम को जीत दिलाई और दो विकेट शेष रहते 13वें ओवर में ही मुकाबले को जीत लिया। टैक्स एसोसिएशन की तरफ से अवनीश द्विवेदी ने 12, अरुण वर्मा ने 11 रनों की पारी खेली। सीए एसोसिएशन की तरफ से शानदार गेंदबाजी करते हुए अखंड बाजपेई ने तीन, अवनींद्र प्रताप सिंह ने दो विकेट लिए। मुख्य अतिथि अश्वनी बाजपेई, टैक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष जीसी डोबरियाल, अतुल त्रिवेदी, मुकेश गुप्ता, एसबी सिंह ने विजेता व उप विजेता टीम के खिलाडियों को पुरस्कृत किया। मैच मे अंपायर की भूमिका अभिषेक मौर्य एवं सौरभ अवस्थी के द्वारा निभाई गयी। फ्रेंडशिप मैच को सम्पन्न कराने में अहम योगदान एडवोकेट राम विलास यादव, विशाल जायसवाल, सीए अखिलेश प्रताप सिंह, मधुकर गुप्ता, जितेन्द्र श्रीवास्तव, अभिजीत चौधरी, अवनींद्र प्रताप सिंह, अमित चावला, सुदीप शुक्ला, एडवोकेट आलोक यादव , निमिष गुप्ता, चैतन्य, विजय, योगेंद्र, केसी सोनकर,प्रवेश यादव, इन्दर सिंह, आलोक त्रिपाठी का रहा।

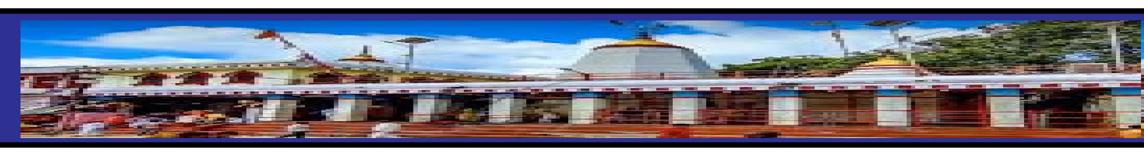

भगवान श्रीराम का वनवास ना होता तो विश्व का कल्याण ना होता- सूर्य लाल मिश्र

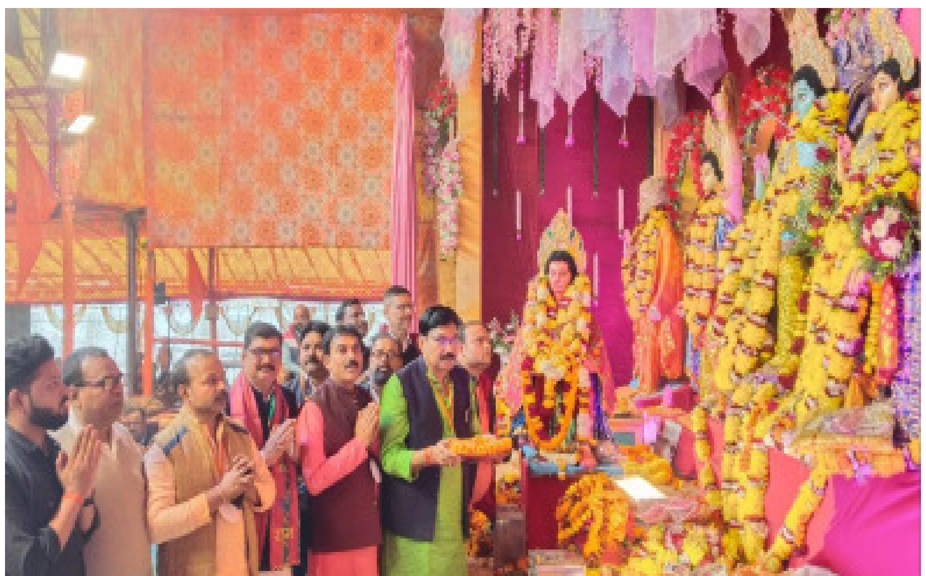

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। नगर के आरटीएस क्लब में चल रहे श्री रामचरितमानस नवाह पाठ के चतुर्थ दिवस श्री राम दरबार का भव्य श्रृंगार किया गया और भगवान के वनवास की झांकी का दर्शन भक्तजनों ने किया। रामचरितमानस के दोहा और चौपाई का गायन करते हुए मुख्य आचार्य सूर्यलाल मिश्र ने कहा कि भगवान श्रीराम का वनवास ना होता तो विश्व का कल्याण ना होता। ऋषि-मुनियों और ब्राह्मणों को सताने वाले राक्षसों का नाश ना होता इसका माध्यम बनी उनकी माता केकई और कैकई को वनवास का सुझाव देने वाली मंथरा थी। इस मार्मिक दृश्य को सुनकर, देखकर भक्तजनों की आंखे भर आई तथा जो केकई और मंथरा ने भगवान श्री राम के 14 वर्ष के वनवास के लिए दोषी थी, उन्हें कटु शब्दो से संबोधित करने लगे। यह कथा लोक में प्रचलित है और हजारों वर्ष बीत जाने के बाद भी आज भी कोई अपने पुत्री का नाम कैकेई और मंथरा नही रखता है। जबकि प्रभु श्री राम के ह्रदय में माता कैकेई और दासी मंथरा के प्रति अगाध प्रेम था। जिसे तुलसी दास जी ने अपने ग्रंथ श्री रामचरितमानस में उद्धित किया है। वही एक दिन पूर्व रात्रि प्रवचन सुप्रसिद्ध कथा वाचक नीरज जी भैया ने धनुष यज्ञ पर बोलते हुए बताएं कि टूट कहीं धनु हुई विवाहू के आधार पर धनुष के टूटते ही विवाह हो गया लेकिन कुलगुरू है उससे पूछ कर वंश व्यवहार के अनुरूप अयोध्या नरेश को पत्र भेजकर बुलाने की सलाह दिया उन्होंने आगे परशुराम संवाद पर बोलते हुए कहा कि तेहिं छड राम मध्य धनु तोड़ा। भरे भुवन धुनि घोर कठोरा। धनुष के टूटने की आवाज से सारा भुवन में नाद हुआ जिसकी जिसकी आवाज सुनकर परशुराम यज्ञ स्थल पर आ गए उन्हें देख कर सारे राजा थरथर कांपने लगे। आगे उन्होंने ने विवाह पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राम सिया सिर सिंदूर देहि। शोभा कहीं न जात विधि केहि। भगवान राम ने सीता की मांग में सिंदूर डालकर विवाह की विधि को पूरा किया। मंच का संचालन करते हुए आचार्य संतोष कुमार द्विवेदी ने कहा कि सिंदूर प्रेम का प्रतीक होने से पति के प्राण आयु को संरक्षित रखने की क्षमता होती है। इस अवसर पर मुख्य रूप से समिति के अध्यक्ष सत्यपाल जैन, महामंत्री सुशील पाठक, किशोर केडिया, राकेश त्रिपाठी, रमेश केसरी, जे.एस. चतुर्वेदी, राजेंद्र केसरी संजय जयसवाल, महेश दुबे, पप्पू शुक्ला, विमलेश पटेल, जेपी गुप्ता, मन्नू पांडे, सुधाकर दुबे, हर्षवर्धन, देवानंद सोनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

पी0डी0ए0 ने जन चर्चा के तहत विधानसभा में की सभा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। गुरुवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देशानुसार पी0डी0ए0 जन चर्चा के तहत विधानसभा 400 घोरावल के सेक्टर रौप, विधानसभा 401 राबर्ट्सगंज के सेक्टर चुर्क के अरौली गांव में, विधानसभा क्षेत्र 402 ओबरा के सेक्टर मारकुंडी में और दुद्धी विधानसभा 403 के सेक्टर महुआरी में जन चर्चा का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि भाजपा सरकार बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान को खत्म करना चाहती है क्योंकि इस संविधान से हर वर्ग के गरीबों को हर सुविधा मिल रही है जिसे भाजपा सरकार देखना नहीं चाहती है,लेकिन समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव बाबा साहब के बनाए हुए संविधान को खत्म नहीं होने देंगे उसकी लड़ाई हमेशा लड़ते रहेंगे । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दूधी विधायक विजय सिंह गोंड़ ने कहा कि भाजपा सरकार आदिवासियों किसानों व्यापारियों और हर तबके की विरोधी सरकार है। यह सरकार पूंजीपतियों की सरकार है।इस सरकार में किसी वर्ग का भला होने वाला नहीं है। कार्यक्रम को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से पूर्व विधायक रमेश चंद दुबे पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनिल कुमार यादव जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी बाबूलाल यादव परमेश्वर यादव अशोक पटेल अवध नारायण यादव के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

कोटेदार सघ ने संगठन के विस्तार मजबूती एवं एकजुट की बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। बृहस्पतिवार को कोन ब्लॉक के चाची कला में कोटेदार अवधेश के आवास पर ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर संगठन सोनभद्र के जिला अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह की अध्यक्षता में बैठक की गई जिसमें संगठन के विस्तार मजबूती और एकजुट रहने हेतु विभिन्न पहलुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया, संगठन के जिला अध्यक्ष द्वारा उपस्थित कोटेदारों को बताया गया कि यह संगठन किसी निजी स्वार्थ या राजनीतिक कार्यों हेतु नहीं बनाया गया है बल्कि इस संगठन का मुख्य उद्देश्य कोटेदारों की समस्त समस्याओं के निदान एवं सभी के कार्यों में सहयोग प्रदान करना है ,बैठक में उपस्थित कोटेदारों द्वारा बताया गया कि कोन ब्लॉक के समस्त कोटेदारों का सन 2001 से सन 2011 तक श्उर्श,श्थ व'श्थ का भाड़ा अभी तक विभाग द्वारा सरकार से प्राप्त नहीं कराया गया है। इस मौके पर नागेश्वर प्रसाद, इंद्रदेव ,सविता देवी ,दिलीप पांडे, ज्वाला प्रसाद ,नेहा देवी ,सतीश चंद्र मिश्रा, कुबेर प्रसाद ,हेमंत कुमार ,अवधेश ,बसंत लाल ,मंजू देवी, शशि शेखर त्रिपाठी ,राकेश कुमार आदि कोटेदार उपस्थित रहे।

एएनएम विहीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कचनरवा लोगों ने किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
कोन/ सोनभद्र । स्थानीय विकास खण्ड के ग्राम पंचायत कचनरवा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कचनरवा कई महीनों से एएनएम विहीन हो गया है जिससे आदिवासी क्षेत्रों में टीकाकरण से लेकर गर्भवती महिलाओं का प्रसव आदि प्रभावित है। जहां एक तरफ स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर सूबे के मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री गरीबों को लेकर काफी गंभीर हैं पर संबंधित विभाग की अनदेखी से कचनरवा की स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई है। जिसका असर इन गरीब आदिवासी क्षेत्रों पर स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर काफी असर दिखाई दे रहा है।इसी क्रम में बताते चलें कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कचनरवा पर नियुक्त एएनएम संगीता विना पूर्व अनुमति के विगत कई महीनों से लगातार अनुपस्थित चल रही हैं जिसके कारण स्वास्थ्य केन्द्र एएनएम विहीन हो गया है। जिससे आस पास के आदिवासी क्षेत्र कचनरवा बागेसोती ,कुड़वा, बड़ाप् असनाबांध,किशनपुर वा, पीपरखाड़, केवाल , भालूकुदर, गीधिया आदि जगहों के लोगों को प्रसव या टीकाकरण कराने के लिए परेशानी का सबब बन गया है जो इन आदिवासी क्षेत्र के लोगों को अतिरिक्त धन खर्च करने के साथ साथ समय काफी व्यतीत करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र की सड़क इतना जर्जर हो गया है कि दुद्धी, चोपन, जिला मुख्यालय जाने में काफी समय लग जाता है जिससे इन आदिवासी क्षेत्र के लोगों के सामने मुसीबत खड़ा होने के साथ साथ रोजमर्रा पर काफी प्रभाव पड़ रहा है।इस संबंध में स्थानीय लोगों सहित जिला पंचायत सदस्य छविंद्र नाथ चेरो व वरिस्ट समाजसेवी बिहारी प्रसाद यादव ने संयुक्त रूप से बताया कि यह सिलसिला विगत कई महीनों से चलता आ रहा है जिससे बच्चों का टीकाकरण व महिलाओं को प्रसव कराने में अतिरिक्त धन खर्च करने के साथ साथ काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जिसके संबंध में आज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कचनरवा पर जिला पंचायत सदस्य छविंद्र नाथ चेरो के अगुवाई में जोरदार प्रदर्शन करते हुए संबंधित विभाग से मांग किया है कि उक्त स्वास्थ्य केन्द्र पर तत्काल एएनएम की ब्यवस्था की जाय जिससे गरीबों को इसका लाभ मिल सके। वहीं दूसरी तरफ जिला पंचायत सदस्य ने आरोप लगाया है है कि यहाँ वर्षों से एएनएम नहीं है फिर भा आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुआ जिसके सापेक्ष कई बार संबंधित विभाग और जन प्रतिनिधि को अवगत कराया गया फिर भी आज तक एएनएम की व्यवस्था नहीं हो सका।इसी क्रम में उन्होंने आरोप लगाया है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर गंदगी का अंबार लगा हुआ यहाँ सफाई कर्मी है कि नहीं इसके बारे में किसी को कुछ पता नहीं है। इस संबंध में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कचनरवा के चिकित्सक डॉक्टर एस के वर्मा से सम्पर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि व्यक्तिगत कारणों से छुट्टी पर जाने की बातें कही। वहीं इस बावत मुख्य चिकित्साधिकारी सोनभद्र डॉ.अश्वनी कुमार से सेल फोन पर सम्पर्क किया तो उन्होंने बताया कि अभी मीटिंग चल रही है बाद में वार्ता करने का आश्वासन दिया। प्रदर्शन करने वालों में मुख्य रूप से जिला पंचायत सदस्य छवींद्र नाथ चेरो, बिहारी प्रसाद यादव, वरिष्ठ समाज सेवी जगदीश प्रसाद , कैलास राम, रघुवर प्रसाद , नथुनी शर्मा, सुखु उरांव, सुग्रीव प्रसाद, हरि प्रसाद गुप्ता , रामवृक्ष यादव, शंभुनाथ, आदि लोग शामिल रहे।

दूषित नदी नालों का पानी पीने को मजबूर, कई संक्रामक बीमारियों का हो रहे शिकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
खलियारी ,सोनभद्र। सोनभद्र आदि वासी क्षेत्र नगवां ब्लॉक ग्राम पंचायत सिकरवार के गांव साड़. सोत में पेयजल की विकट स्थिति पैदा हो गई है नल जल योजना से ग्रामीणों को नही मिल रहा है पानी सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना छलावा साबित हो रही है ग्रामीण अंचलों में, जानकारी के अनुसार नगवां ब्लॉक ग्राम पंचायत सिकरवार के गांव साड़. सोत के खरवार बस्ती में नल जल से पानी कभी नहीं मिल रहा है जिसकी वजह से वहां के रहवासी नदी नालों का दूषित पानी पीने को मजबूर है जिससे उन्हें विभिन्न प्रकार की संक्रामक बीमारियों का दंश झेलना पड़ता है। ग्रामीण श्याम लाल , टन मन अशोक, रामकेश आदि ने बताया कि जब से हम लोगों के घरों में नल जल की टोंटी लगी है तब से कभी भी पानी की आपूर्ति नही की गई है वही फुलवा का कहना है कि नल जल से पानी महीने में एक दो दिन ही मिल पता है फुलवा ने कहा कि नदी का दूषित पानी पीकर हम लोग अपना जीवन यापन करते हैं जिससे हम लोग अनेक प्रकार की संक्रामक बीमारियों का सामना करना पड़ता है। यहां का हाल पता लेने वाला नहीं है जब भी नेता जी लोग आते हैं तो केवल आस्वास देकर चले जाते हैं और कुछ लोग तो केवल फोटो खिंचाने आते है और बड़ी बड़ी बातें कर के चले जाते हैं फिर लौट के देखते नहीं उसी गांव हरिजन बस्ती में भी यही हाल है ।

जामवंती पाण्डेय स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में महुआंव पाण्डेय की टीम बनी विजेता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
घोरावल सोनभद्र। स्व. जामवंती पांडेय स्पोर्ट्स क्लब के सौजन्य से महुआंव पांडेय गांव में आयोजित जामवंती पांडेय स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता के पंद्रहवें दिन बृहस्पतिवार को प्रथम सेमीफाइनल मैच हुआ। जामवंती पांडेय स्पोर्टिंग क्लब महुआव पांडेय और धोवा के बीच हुए इस मैच में टॉस जीतकर धोवा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 90 रन बनाए। इसके बाद 91 रनों का लक्ष्य लेकर उतरी जामवंती पांडेय स्पोर्टिंग क्लब के खिलाड़ियों ने लाजवाब प्रदर्शन करते हुए छठें ओवर में 92 रन बनाकर जीत हासिल किया। इस मैच के मन ऑफ द मैच रहे गुड्डू जायसवाल ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए शानदार 45 रनों की पारी खेली, जिसमें 4 छक्का और 3 चौका शामिल रहा। इस जीत के साथ ही जामवंती पांडेय स्पोर्टिंग क्लब इस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर गयी। आयोजन समिति के सदस्य रवि द्विवेदी ने विजेता टीम के कैप्टन और मैन ऑफ द मैच गुड्डू जायसवाल को पुरस्कृत किया।इस मौके पर अनूप पाठक, बागेश्वरीधर द्विवेदी, विनोदधर द्विवेदी जगदीश शर्मा, भोला पांडेय, आलोक द्विवेदी, जितेंद्र कुमार, प्रदीप तिवारी, अनूप पाठक, संदीप मौर्या, अश्विनी, रामकेश कुशवाहा, दीपक शर्मा, छोटेलाल, राधेश्याम जायसवाल, अभिषेक, निखिल द्विवेदी, जयप्रकाश शर्मा, नीलेश तिवारी, नीरज ,बब्बल इत्यादि मौजूद रहे।

स्मृति में वीर बाल 27 दिसंबर तक मनेगा शहीदी सप्ताह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। दसवें सिक्ख गुरु श्री गुरु गोविन्द सिंह के दो छोटे पुत्रों जोरावर सिंह व फतेह सिंह की स्मृति में वीर बाल दिवस 21 दिसंबर से 27 दिसंबर तक शहीदी सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है गुरुवार को सिख संगत एवं गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा रॉबर्ट्सगंज के तरफ से बडोली चौराहे पर चाय व नाश्ता स्टॉल लगाया गया वक्ताओ ने कहा कि गुरु गोविन्द सिंह की राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत- देश को पहले रखने- के प्रति अटूट प्रतिबद्धता एक गहन संकल्प के रूप मे प्रति ध्वनीत होती है श्री गुरु गोविन्द सिंह के चार पुत्र अर्थात साहिबजादा अजीत सिंह, जुझार सिंह, जोरावर और साहिबजादा श्री फतेह सिंह इस प्रतिबद्धता का उदाहरण देते है। मुगल सेना ने गुरु गोविन्द सिंह की सेना पर हमला कर दिया आनन्दपुर साहिब किला संघर्ष का प्रारंम्भिक विन्दु था सिरसा नदी के तट पर एक लंबी लड़ाई के बाद परिवार विभाजीत हो गया बाद मे नवाबो ने साहिबजादो को इस्लाम अपनाने के लिए कहा लेकिन उन्होने ने इन्कार कर दिया और अपने धर्म के प्रति अपने प्रेम की अटूट श्रद्धा को प्रदर्शित किया। एक ओर मजहबी कट्टरता मे अंधी शक्तिशाली मुगल सल्तनत थी वहीं दूसरी ओर ज्ञान से जगमगाते और भारत के प्राचीन सिद्धांतो के अनुसार जीने वाले हमारे गुरु श्री गोविन्द सिंह जी थे एक ओर आतंकी और मजहबी कट्टरता की पराकाष्ठा थी तो दूसरी ओर आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा और हर इंसान मे ईश्वर को देखने की दयालुता थी मुगलों के पास लाखों की सेना थी तो गुरु गोविन्द के वीर साहिबजादों के पास साहस था वे अकेले होते हुए भी मुगलों के सामने नही झुके तभी मुगलों ने उन्हे जिंदा दीवार मे चुनाव दिया यह इनकी वीरता ही है जो सदियों से प्रेरणा का श्रोत बनी हुयी है। कहा कि वीर साहेबजादे द्वारा प्रदर्शित साहस और दृढ़ संकल्प एक प्रमाण के रुप मे खड़ा है। जो औरंगजेब और उसके अनुयायियों को एक शक्तिशाली संदेश देता है कि युवा पीढ़ी क्रुरता के आगे झुकने से इंकार करती है और देश का मनोबल को बनाये रखने के लिए दृढ़ संकल्पित रहती है यह राष्ट्र की नियति को आकार देने मे युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है जिससे वीर बाल दिवस को अतिरिक्त महत्व मिलता है। भारतीय इतिहास में इस घटना को बाद मे साहिबजादा जोरावर सिंह और फतेह सिंह द्वारा दिये गये सर्वोच्च बलिदान के रुप मे याद किया गया। धर्म परिवर्तन के लिए जब एक छः साल और नौ साल के बच्चों के उपर मुगलों द्वारा दबाव बनाया गया तो उन्होने बहुत बहादुरी से बोलते हुए कहा कि जोरावर जोर से बोला, फतेह सिंह शोर से बोला, धरो ईंटे भरों गारे, चिनों दीवार हत्यारे हमारी सांस बोलेगी हमारी लाश बोलेगी यही दीवार बोलेगी हजारों बार बोलेगी जो बोले सो निहाल जिसमें मुख्य रूप से अजीत सिंह भंडारी ,पृथ्वी पाल सिंह गिल, सुरेंद्र सिंह भंडारी, त्रिलोक सिंह, विष्णु सिंह, राजकुमार सिंह ,गुरजीत सिंह, मनमीत सिंह, बलविंदर सिंह, रवि,जसकीरत सिंह , अवनीत सिंह आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने की कर-करेत्तर की मासिक समीक्षा बैठक, राजस्व वसूली में तेजी लाने के दिये निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व कार्यक्रमों व कर-करेत्तर की मासिक समीक्षा बैठक की, इस दौरान जिलाधिकारी ने खाद्य सुरक्षा विभाग की समीक्षा की, खाद्य सुरक्षा के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सैम्पल कलेक्शन व छापेमारी की कार्यवाही में तेजी लायें, बैठक के दौरान अधिशासी अभियन्ता राबर्ट्सगंज अनुपस्थित रहें, जिसका जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता राबर्ट्सगंज को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दियें, इसी प्रकार से स्टाम्प विभाग की नगर पंचायतों की मासिक वसूली की समीक्षा में नगर पंचायत घोरावल, रेनुकूट, पिपरी व दुद्धी की प्रगति धीमी पाये जाने पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिशासी अधिकारी को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दियें। इस दौरान उन्होंने कहा कि बाट माप विभाग द्वारा छापेमारी की कार्यवाही में तेजी लायी जायें और छापेमारी कार्यवाही की सूची प्रस्तुत की जायें। बैठक में जिलाधिकारी ने माानक के मुताबिक वसूली के लक्ष्य को पूरा करने, तहसील स्तरों पर बकायेदारों पर वसूली की कार्यवाही करने, आर0सी0 का नियमित मिलान करने के साथ ही सरकारी जमीनों को सुरक्षित करते हुए जन शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश सम्बन्धितों को दिये गये, लक्ष्य को पूरा न करने वालों की जिम्मेदारी तय की जायेगी। उन्होंने कहा कि तहसीलों का काम समयबद्ध और बेहतर तरीके से करने के लिए कड़ाई के साथ उप जिलाधिकारी व तहसीलदार राजस्व कार्मिक अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि राजस्व मुकदमों का निस्तारण समयबद्ध तरीके से किया जाय, जमीनी विवादों का निस्तारण मौके पर जाकर किया जाय, किसी भी हाल में जनता के साथ अन्याय न होने पायें। जमीनी मामलों को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष तरीके से गुणवत्ता के साथ निस्तारण सुनिश्चित की जाय, नगर पालिका व नगर पंचायत अपने कार्य क्षेत्रों में सुधार लायें, नगर क्षेत्रों में विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ ही अतिक्रमण मुक्त पर ध्यान रखें। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सहदेव कुमार मिश्र, उप जिलाधिकारी सदर उत्कर्ष द्विवेदी, उप जिलाधिकारी घोरावल राजेश सिंह, उप जिलाधिकारी दुद्धी निखिल यादव, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

नपा अध्यक्ष ने सीएम से मुलाकात कर बजट बढ़ाने की की अपील

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रावटसगंज नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद द्वारा शुक्रवार को यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करते हुए रावटसगंज नगर पालिका के विकास कार्यों को लेकर चर्चा करते हुए विशेष बजट की मांग की वही विकास कार्यों के शिलान्यास उद्घाटन के लिए किया आमंत्रित।नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने बताया कि मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना में बजट बढ़ोतरी को लेकर मांग किया गया है वहीं नगर में बने शिवाजी की प्रतिमा व पेट्रोल पंप के अनावरण एवं बने सड़क निर्माण का उद्घाटन शिलान्यास करने को आमंत्रण पत्र दिया गया वहीं रूबी प्रसाद ने बताया कि नगर पालिका क्षेत्र में नाली निर्माण हेतु ड्रेनेज सिस्टम में बजट की मांग किया गया है जिससे कि नगर के विकास कार्यों में किसी प्रकार से रुकावट ना आ सके केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा सरकार की योजनाओं को धरातल पर लाने के लिए पूरा प्रयास किया जाए इस दौरान एससी एसटी आयोग के अध्यक्ष जीत सिंह खरवार, भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष विशाल पांडेय मौजूद रहे।

अनपरा नगर पंचायत के बोर्ड बैठक में लगभग आधा दर्जन बाइलॉज पारित-ईओ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
अनपरा सोनभद्र। अनपरा नगर पंचायत बोर्ड की बैठक में सर्वसम्मति से लगभग आधा दर्जन बाइलॉज पारित किये गए एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 में करोड़ो के विकास कार्यो स्वीकृति प्रदान की गई।बोर्ड बैठक में 17 सभासद उपस्थित थे।बोर्ड बैठक की शुभारम्भ के पहले पूर्व प्रधानमंत्री मन मोहन सिंह के गोलोकधाम वासी होने पर दो मिनट का मौन धारण के पश्चात चौथी बोर्ड बैठक चेयरमैन विश्राम प्रसाद बैसवार की अध्यक्षता व अधिशासी अधिकारी अपर्णा मिश्रा के संचालन में आहूत की गई जिसमें आम सहमति से लगभग आधा दर्जन बाइलॉज पारित किये गए एवं करोडों के विकास कार्यों के के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई ।बोर्ड बैठक में नगर पंचायत द्वारा स्वकर प्रणाली ,संपत्ति हस्तान्तरण ,लाइसेंस कर ,एवं अवशिष्ट पदार्थो से सम्बन्धीत कई उपविधि पारित किया गया।वोर्ड बैठक में नगर पंचायत क्षेत्र में स्वच्छता एवं नाली की साफ सफाई ,पर्यावरण को स्वच्छ रखना,विकाश कार्यों की एक्शन प्लान पर चर्चा की गई।इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत अपर्णा मिश्रा ने बताया कि नगर पंचायत अनपरा द्वारा बोर्ड बैठक में लगभग आधादर्जन बाइलॉज पारित किए गए जिसमे मुख्य रूप से स्वकर प्रणाली,लाइसेंस कर सॉलिड-वेस्ट मैनेजमेंट 2016 के तहत बाईलॉज बनाये गए।

स्पोर्ट्स

अजीबोगरीब ढंग से आउट हुए स्मिथ, बैट-पैड से लगकर स्टंप पर जा लगी गेंद, रोकने का प्रयास तक नहीं किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। स्मिथ टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में संयुक्त रूप से छठे स्थान पर पहुंच

गए हैं। उन्होंने सुनील गावस्कर, ब्रायन लारा, यूनिस खान और महेला जयवर्धने जैसे दिग्गजों की बराबरी की। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला मेलबर्न में जारी है। इस बॉक्सिंग डे टेस्ट में स्टीव स्मिथ ने शानदार शतक जड़ा। यह उनके टेस्ट करियर का 34वां शतक रहा। स्मिथ 140 रन बनाकर आकाश दीप का शिकार बने। हालांकि, उनके आउट होने का ढंग अजीबोगरीब रहा। गेंद उनके बैट पैड से लगकर स्टंप्स पर जा लगी। स्मिथ इतने आगे थे कि उन्होंने गेंद रोकने की कोशिश तक भी नहीं की। दूसरे दिन ऑस्ट्रेलियाई पारी के 115वें ओवर में आकाश दीप गेंदबाजी के लिए आए। ओवर की पहली ही गेंद आकाश ने शॉर्ट पिच डाली। उन्होंने स्मिथ को आगे निकलता देख गेंद के लेंथ को पीछे खींच लिया। आकाश की शॉर्ट पिच गेंद को स्मिथ ने आगे बढ़कर खेलने का प्रयास किया। गेंद उनके बल्ले से लगकर पैड पर लगी और फिर विकेट पर जा लगी। स्मिथ दो फीट आगे निकल चुके थे और गेंद को रोकने के लिए वापस नहीं गए। गेंद रोल होते हुए स्टंप्स पर जा लगी। उन्होंने 197 गेंद में 13 चौके और तीन छक्के की मदद से 140 रन बनाए। इसका वीडियो भी सामने आया है।स्मिथ टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में संयुक्त रूप से छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने सुनील गावस्कर, ब्रायन लारा, यूनिस खान और महेला जयवर्धने जैसे दिग्गजों की बराबरी की। इन्होंने भी टेस्ट में 34 शतक लगाए थे। अब स्मिथ से ऊपर सचिन तेंदुलकर (51 शतक), जैक कैलिस (45 शतक), रिकी पोंटिंग (41 शतक), कुमार संगकारा (38 शतक), जो रूट (36 शतक) और राहुल द्रविड़ (36 शतक) हैं। स्मिथ ने भारत के खिलाफ टेस्ट में 11वां शतक लगाया। वह टीम इंडिया के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने जो रूट (10 शतक) को पीछे छोड़ा। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 474 रन पर समाप्त हुई। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया के लिए शुरुआती तीन बल्लेबाजों ने अर्धशतक जड़े। इसके बाद स्मिथ ने शतक लगाया। उन्होंने 197 गेंद में 13 चौके और तीन छक्के की मदद से 140 रन बनाए। कप्तान पैट कमिंस ने 49 रन की पारी खेली। दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट पर 311 रन से आगे खेलना शुरू किया। हालांकि, भारतीय गेंदबाजों को बाकी चार विकेटों के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन 163 रन जोड़े और चार विकेट गंवाए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए। वहीं, रवींद्र जडेजा को तीन विकेट मिले। आकाश दीप को दो विकेट मिले, जबकि सुंदर ने एक विकेट लिया।

कोहली के साथ संवाद में कमी का यशस्वी को हुआ नुकसान, अपने ही कॉल पर हुए रन आउट; शतक से चूके

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय पारी के 41वें ओवर की आखिरी गेंद पर यशस्वी ने हल्के हाथों से शॉट खेला। गेंद मिड ऑन पर गई और यशस्वी रन

के लिए दौड़ पड़े। कॉल उनका था और कोहली भी थोड़ा आगे आकर पीछे मुड़ गए। यशस्वी भी कोहली के साथ नॉन स्ट्राइक एंड पर थे। दोनों एक ही छोर पर मौजूद थे और विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने गेंद को स्टंप्स पर दे मारा भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट की पहली पारी में अच्छी बल्लेबाजी की, लेकिन विराट कोहली के साथ संवाद में कमी के कारण वह शतक लगाने से चूक गए। कोहली और यशस्वी तीसरे विकेट के लिए अच्छी साझेदारी निभा रहे थे, लेकिन ऑस्ट्रेलिया इसे तोड़ने में सफल रही। भारत ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक पांच विकेट गंवाकर 164 रन बना लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे। इस लिहाज से भारत अभी भी 310 रन पीछे है।भारतीय पारी के 41वें ओवर की आखिरी गेंद पर यशस्वी ने हल्के हाथों से शॉट खेला। गेंद मिड ऑन पर गई और यशस्वी रन के लिए दौड़ पड़े। कॉल उनका था और कोहली भी थोड़ा आगे आकर पीछे मुड़ गए। यशस्वी भी कोहली के साथ नॉन स्ट्राइक एंड पर थे। दोनों एक ही छोर पर मौजूद थे और विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने गेंद को स्टंप्स पर दे मारा। इस तरह यशस्वी रन आउट हो गए। वह 118 गेंद में 11 चौके और एक छक्के की मदद से 82 रन बनाकर आउट हुए और शतक से चूक गए।यशस्वी और कोहली ने तीसरे विकेट के लिए 102 रन जोड़े थे। जब कोहली क्रीज पर उतरे थे तब भारत का स्कोर दो विकेट पर 51 रन था, लेकिन इन दोनों बल्लेबाजों ने यहां से टीम को संभाला और अच्छी स्थिति पर पहुंचा रहे थे। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने से 20 मिनट पहले ही मामला गड़बड़ा गया और यशस्वी का आउट होना भारत को भारी पड़ा। यशस्वी को रन आउट करने के बाद कंगारुओं ने सात गेंद के अंदर विराट कोहली को भी पवेलियन भेजा। बोलैंड ने कोहली को विकेटकीपर कैरी के हाथों कैच कराया। वह 86 गेंद में 36 रन बना सके। यशस्वी जिस तरह रन आउट हुए उस पर पूर्व भारतीय खिलाड़ियों की अलग-अलग राय आई। पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर का कहना है कि चूंकि यशस्वी की तरह से भागने का इशारा आया था और गेंद कोहली के पीठ के पीछे थी, लिहाजा पूर्व कप्तान को यशस्वी पर भरोसा दिखाना चाहिए था और रन के लिए दौड़ना चाहिए था। हालांकि, पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री, इरफान पठान और दीप दासगुप्ता की राय इससे अलग थी।

पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि, मेलबर्न में दूसरे दिन काली पट्टी बांधकर उतरी टीम इंडिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि, मेलबर्न में दूसरे दिन काली पट्टी बांधकर उतरी टीम इंडियापूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह नहीं रहे। गुरुवार को 92 साल की उम्र में उनका दिल्ली एम्स में

निधन हो गया। उन्हें उम्र संबंधी दिक्कतों की वजह से गुरुवार रात 8:06 बजे एम्स में भर्ती कराया गया था। रात 9:51 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उनके निधन से देशभर में शोक की लहर है। इसी कड़ी में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी है। मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट खेल रहे भारतीय टीम के खिलाड़ी मैदान पर बांह में काली पट्टी बांधकर उतरे। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 474 रन पर समाप्त हुई। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया के लिए शुरुआती तीन बल्लेबाजों ने अर्धशतक जड़े। इसके बाद स्टीव स्मिथ ने टेस्ट करियर का 34वां शतक लगाया। कप्तान पैट कमिंस ने 49 रन की पारी खेली। दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट पर 311 रन से आगे खेलना शुरू किया। हालांकि, भारतीय गेंदबाजों को आज चार विकेट के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी। ऑस्ट्रेलिया ने आज 163 रन जोड़े और चार विकेट गंवाए। स्मिथ 140 रन बनाकर आउट हुए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए। वहीं, रवींद्र जडेजा को तीन विकेट मिले। आकाश दीप को दो विकेट मिले, जबकि सुंदर ने एक विकेट लिया। भारत के लिए ओपनिंग करने कौन आता है, यह देखने वाली बात होगी। रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल के ओपनिंग करने की संभावना है। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है। पहला टेस्ट टीम इंडिया ने पर्थ में 295 रन से जीता था। एडिलेड में दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 10 विकेट से जीत हासिल की। गाबा में तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहा था।मनमोहन सिंह प्रखर अर्थशास्त्री थे। 1991 में देश में शुरू किए गए आर्थिक उदारीकरण के वे शिल्पकार रहे। 2004 से 2014 तक वे प्रधानमंत्री रहे। उनका अंतिम संस्कार शनिवार को होगा, जिसके लिए शुक्रवार को आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। मनमोहन सिंह के निधन की खबर से खेल जगत भी गमगीन हो गया। वीरेंद्र सहवाग से लेकर हरभजन और युवराज सिंह ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी है। सहवाग ने दुख जताते हुए कहा, 'हमारे पूर्व प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह जी के निधन पर मेरी हार्दिक संवेदनाएं। ओम शांति।' भज्जी ने कहा, 'पूर्व प्रधानमंत्री, एक सज्जन व्यक्ति और दूरदर्शी नेता डॉ. मनमोहन सिंह जी के आकस्मिक निधन की खबर से दुखी हूं। संकट के समय में उनका शांत और स्थिर नेतृत्व, जटिल राजनीतिक परिदृश्य को नेविगेट करने की उनकी क्षमता और भारत की क्षमता में उनका अटूट विश्वास, जो वास्तव में उन्हें अलग करता था।' पूर्व भारतीय हरफनमौला खिलाड़ी युवराज सिंह भी पूर्व पीएम के निधन से दुखी हैं। उन्होंने कहा- डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन की दुखद खबर। एक दूरदर्शी नेता और सच्चे राजनेता जिन्होंने भारत की प्रगति के लिए अथक प्रयास किया। उनकी बुद्धिमत्ता और विनम्रता को हमेशा याद रखा जाएगा। उनके प्रियजनों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण ने कहा, 'हमारे पूर्व प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह जी के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति हार्दिक संवेदना।' कांग्रेस नेता और पूर्व पहलवान विनेश फोगाट ने कहा- भारत ने आज एक ऐसे महानायक को खो दिया, जिन्होंने अपनी असाधारण बुद्धिमत्ता, सादगी और दूरदृष्टि से देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

विंडीज का सूपड़ा साफ करने के लक्ष्य के साथ उतरेगा भारत, तनुजा या तेजल को मिल सकता है मौका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय टीम ने सीरीज में 300 से अधिक के स्कोर बनाए हैं। पहले मैच में स्मृति मंधाना के साथ पारी का आगाज करने वाली प्रतिका रावल ने दूसरे वनडे टीम में हैं लेकिन दूसरे वनडे मैच में तीसरे नंबर पर उतरकर इस प्रारूप में अपना पहला शतक जड़ा और 100 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट पर रन बनाए। तीसरे मुकाबले में वह इस लय को कायम रखना चाहेंगी।

में बेहतर प्रदर्शन करके उम्मीद जगाई है। भारतीय महिला टीम खराब फॉर्म से जूझ रही वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और आखिरी एकदिवसीय मैच में शुक्रवार को 'क्लीन स्वीप' के इरादे से उतरेगी। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीनों वनडे हारने के बाद भारतीय टीम ने अपनी सरजमीं पर वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत की राह पर वापसी की है।भारतीय टीम ने सीरीज में 300 से अधिक के स्कोर बनाए हैं। पहले मैच में स्मृति मंधाना के साथ पारी का आगाज करने वाली प्रतिका रावल ने दूसरे वनडे में बेहतर प्रदर्शन करके उम्मीद जगाई है। दिल्ली की बल्लेबाज प्रतिका ने जिस तरह बल्लेबाजी की है, उससे वह टीम में शेफाली वर्मा का विकल्प हो सकती हैं। हरलीन देओल लंबे समय से पूरी तरह से फिट होने के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर भी आत्मविश्वास से भरी लग रही हैं लेकिन सीरीज में अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाई हैं। गेंदबाजी में रेणुका ठाकुर ने तेज गेंदबाजी में अगुवाई की है जबकि युवा तितास साधू को भी विकेट मिले हैं। लेग स्पिनर प्रिया मिश्रा ने भी प्रभावित किया है। यह मुकाबला चूंकि औपचारिकता का है लिहाजा भारतीय टीम में तनुजा कंवर और तेजल को उतारा जा सकता है। वेस्टइंडीज अगर सीरीज के अंतिम मैच में जीत हासिल करना चाहती है तो उसे कुछ अलग करने की जरूरत होगी। मेहमान टीम के बल्लेबाजों में केवल मैथ्यू ने प्रभावित किया है।

जिम्बाब्वे के एंडी पायक्रॉफ्ट ने हासिल की खास उपलब्धि, मैच रेफरी के रूप में 100 टेस्ट पूरे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 68 साल के पायक्राफ्ट ने 1983 से 1992 के बीच जिम्बाब्वे के लिए तीन टेस्ट और 20 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे। टेस्ट के अलावा मैच रेफरी के में उन्होंने 238 पुरुष वनडे और 174 टी 20 अंतरराष्ट्रीय और 21 महिला टी 20 अंतरराष्ट्रीय में दायित्व निभाया है।जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान एंडी पायक्रॉफ्ट गुरुवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 'बॉक्सिंग डे' टेस्ट के साथ मैच रेफरी के तौर पर 100 मैच पूरे करने वाले पुरुष टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में चौथे अधिकारी बन गए। इस सूची में सबसे अनुभवी मैच रेफरी के रूप में श्रीलंका के पूर्व खिलाड़ी रंजन मदुगले 225 टेस्ट के साथ पहले स्थान पर हैं जबकि न्यूजीलैंड के जेफ क्रो (125) दूसरे और इंग्लैंड के क्रिस ब्रॉड (123) तीसरे स्थान पर हैं।68 साल के पायक्रॉफ्ट ने 1983 से 1992 के बीच जिम्बाब्वे के लिए तीन टेस्ट और 20 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे। टेस्ट के अलावा मैच रेफरी के में उन्होंने 238 पुरुष वनडे और 174 टी 20 अंतरराष्ट्रीय और 21 महिला टी 20 अंतरराष्ट्रीय में दायित्व निभाया है।मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। पहले दिन का खेल खत्म होने तक टीम ने छह विकेट पर 311 रन बनाए थे। शुक्रवार को टीम इससे आगे खेल रही है। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है। पहला टेस्ट टीम इंडिया ने पर्थ में 295 रन से जीता था। एडिलेड में दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 10 विकेट से जीत हासिल की। गाबा में तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहा था।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

एमसीजी के बाहर खालिस्तानी समर्थकों ने किया तिरंगे का अपमान, भारतीय फैंस ने दिया मुंहतोड़ जवाब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जानकारी के मुताबिक, एमसीजी के बाहर खालिस्तानी समर्थकों के एक गुट को भारत के खिलाफ नारेबाजी करते देखा गया। इस दौरान कुछ खालिस्तानी समर्थक तिरंगे का अपमान भी करते दिखे। वह भारत के राष्ट्रीय ध्वज को फुटबॉल की तरह पैर से एक-दूसरे की तरफ फेंकते दिखे। इस पर भारतीय प्रशंसकों का खून खौल गया और उन्होंने प्रदर्शन कर रहे लोगों को मुंहतोड़ जवाब दिया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला गुरुवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में शुरू हुआ। जहां मैच में विराट कोहली और सैम कोंस्टास के बीच हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला, वहीं ग्राउंड के बाहर भी भारतीय प्रशंसकों की खालिस्तानी समर्थकों से भिड़ंत हो गई। जानकारी के मुताबिक, एमसीजी के बाहर खालिस्तानी समर्थकों के एक गुट को भारत के खिलाफ नारेबाजी करते देखा गया। इस दौरान कुछ खालिस्तानी समर्थक तिरंगे का अपमान भी करते दिखे। वह भारत के राष्ट्रीय ध्वज को फुटबॉल की तरह पैर से एक-दूसरे की तरफ फेंकते दिखे। इस

पर भारतीय प्रशंसकों का खून खौल गया और उन्होंने प्रदर्शन कर रहे लोगों को मुंहतोड़ जवाब दिया। भारतीयों ने तिरंगा लहराकर भारत के समर्थन में नारेबाजी की। इसका वीडियो भी अब सोशल मीडिया पर वायरल है।कुछ रिपोर्ट्स का दावा है कि खालिस्तानी समर्थकों के इस गुट ने बिना टिकट के स्टेडियम में प्रवेश किया था। एमसीजी पर मौजूद एक भारतीय प्रशंसक ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया, खालिस्तानी कौन हैं? मैं नहीं जानता, मैं एक प्राउड सिख हूं। एक अन्य प्रशंसक ने कहा, इन लोगों को किसी भी तरह की प्रसिद्धि नहीं देनी चाहिए। ये लोग 5-10 लोग हैं, जो यहां पले-बढ़े हैं। ये कभी पंजाब नहीं गए और अपने स्वार्थ के लिए इस तरह की बेहूदा हरकत कर रहे हैं। हमें इन्हें किसी भी प्रकार की तवज्जो नहीं देनी चाहिए इस दौरान एक प्रशंसक ने बताया कि खालिस्तानी समर्थकों ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ भी नारेबाजी की। उन्होंने कहा- यह गलत है। मोदी को तीन बार भारत की जनता ने प्रधानमंत्री चुना है। आप उनका अपमान नहीं कर सकते। मैं नहीं जानता कि ये लोग कैसे इस देश (ऑस्ट्रेलिया) में हैं।मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म हो चुका है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में छह विकेट गंवाकर 311 रन बना लिए हैं। स्टीव स्मिथ 68 रन और कप्तान पैट कमिंस आठ रन बनाकर नाबाद हैं। पहले दिन बराबरी की टक्कर रही। जहां पहला सत्र ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा। वहीं, दूसरे सत्र में ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच मजबूत प्रतिद्वंद्विता दिखी। तीसरे सत्र में भारत पूरी तरह से हावी रहा। इस मैच के लिए दोनों टीमों में एक-एक बदलाव हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने जोश हेजलवुड की जगह स्कॉट बोलैंड और भारत ने शुभमन गिल की जगह वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया।

सम्पादकीय

विशेषाधिकार न मिलने की छटपटाहट, कानूनी परेशानियों से बाहर नहीं निकल पा रहा गांधी परिवार

लाख कोशिश के बावजूद गांधी परिवार अपनी कानूनी परेशानियों से बाहर निकल नहीं पा रहा है। 2014 के बाद से ही उसके लिए यह स्थिति पैदा हुई है। उसे अदालतों से छुटकारा नहीं मिल पा रहा है। आजादी के तत्काल बाद से ही नेहरू-गांधी परिवार कानून से ऊपर माना जाता रहा। तरह-तरह की कानूनी परेशानियों से यह परिवार साफ बच निकलता रहा, पर प्रधानमंत्री मोदी ने इस स्थिति को बदल कर रख दिया है। इसी कारण गांधी परिवार नेशनल हेराल्ड मामले की गिरफ्त में है। नतीजतन गांधी परिवार में अजीब तरह की बेचैनी है। उसका असर राहुल गांधी की देह-भाषा पर है और उनकी जुबान पर भी। राहुल गांधी और उनके लोग कभी चुनाव आयोग तो कभी अदालत के खिलाफ बोलते हैं और कभी संसद के पीठासीन पदाधिकारियों को अपमानित करते हैं। इससे उन्हें कोई राजनीतिक या चुनावी लाभ नहीं मिल रहा है, लेकिन वे समझने को तैयार नहीं। राहुल गांधी यह समझते हैं कि मोदी तथा संवैधानिक संस्थाओं पर भी तरह-तरह के झूठे आरोप लगाकर उन्हें अपने स्तर पर नीचे खींच लाएंगे, ताकि आम लोग मोदी को उनसे बेहतर न मानें, पर ऐसा तो तब होगा जब प्रधानमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार का कोई प्रमाण हाथ लगे। राहुल गांधी को हवा में तीर चलाने से अब तक तो कोई लाभ नहीं मिला है। उल्टे विपक्षी गठबंधन के अधिकतर दलों ने उन्हें एक विफल नेता मानकर उनसे किनारा करना शुरू कर दिया है। नेहरू-गांधी परिवार में 2014 तक यह धारणा बनी हुई थी कि यह परिवार किसी भी कानून से ऊपर है। भारत उसकी मिल्कियत है। उसे ही इस देश पर शासन करने का नैसर्गिक अधिकार है। मोदी के सत्तासीन हो जाने के बाद परिवार का वह विशेषाधिकार समाप्त हो गया है। नेहरू-गांधी परिवार कानून के समक्ष समानता के सिद्धांत वाली व्यावहारिक स्थिति को स्वीकार करने को तैयार नहीं हो पा रहा है। सोनिया-राहुल की छटपटाहट का सबसे बड़ा कारण यही है। इससे पहले इस परिवार को इतनी छूट रही कि एक गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री कहा करते थे कि ''प्रथम परिवारङ्ग को छूना तक नहीं है। ऐसे अघोषित विशेषाधिकार प्राप्त परिवार के सामने जब कानूनी गिरफ्त से बचने का कोई तरीका नजर न आए तो उसकी मनोदशा कैसी होगी, इसकी कल्पना कर लीजिए। इस तनाव और छटपटाहट के कारण ही राहुल गांधी लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता की भूमिका भी गरिमापूर्ण ढंग से निभाने में विफल हैं। यदि प्रतिपक्ष का नेता विवेकपूर्ण ढंग से ठोस तथ्यों पर आधारित अपनी बातें रखे तो जनता के बीच उसकी लोकप्रियता बढ़े, छवि बेहतर हो, पर राहुल गांधी ने अपनी असंगत बोली तथा असामान्य देह भाषा के जरिए सदन की गरिमा गिराने की जितनी कोशिश की, वह अभूतपूर्व है। अपने परिवार के इतिहास के गर्व में पल रहे राहुल गांधी ने पूर्वजों के इतिहास के किस्से सुन रखे होंगे। संभवतः अपने प्रति उसी तरह के व्यवहार की उम्मीद वह मौजूदा सरकार से भी कर रहे होंगे। अब यह संभव नहीं। गांधी परिवार पर पहला कानूनी संकट नेहरू के प्रधानमंत्री बनने के बाद ही आया था।1949 में लंदन में भारतीय उच्चायुक्त वीके कृष्णमेनन पर जीप घोटाले का गंभीर आरोप लगा। कांग्रेसी नेता अनंत शयनम अयंगार की जांच कमेटी ने उन्हें सरसरी तौर पर दोषी माना और विस्तृत न्यायिक जांच की सिफारिश की। न्यायिक जांच के परिणामस्वरूप सरकार के खिलाफ कुछ असुविधाजनक जानकारियां सामने आने का खतरा दिखा। इसलिए गृह मंत्री ने 30 सितंबर 1955 को लोकसभा में यह घोषणा कर दी कि जीप घोटाले के इस मामले को बंद कर दिया गया है। 1975 में जब इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इंदिरा गांधी के लोकसभा चुनाव को रद कर दिया था तो यह आरोप साबित हो गया था कि चुनाव में उन्होंने सरकारी साधनों का दुरुपयोग किया है। कोई अन्य उपाय न देखते हुए इंदिरा ने 1975 में इमरजेंसी लगा दी और चुनाव कानून बदल दिया। इस तरह उनकी सदस्यता और गद्दी दोनों बच गई। एक अन्य तरह के जीप घोटाले के सिलसिले में 3 अक्तूबर 1977 को सीबीआइ ने इंदिरा गांधी को गिरफ्तार कर अगले दिन दिल्ली के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष पेश किया। मजिस्ट्रेट ने सबूत मांगा तो सीबीआइ के वकील ने कहा कि जांच हो रही है। मजिस्ट्रेट ने श्रीमती गांधी को रिहा करने का आदेश दे दिया। 1979 में जनता पार्टी में आंतरिक कलह के कारण मोरारजी देसाई सरकार गिर गई। कांग्रेस ने बाहर से समर्थन देकर चरण सिंह को प्रधानमंत्री बनाया। इंदिरा गांधी ने चरण सिंह को संदेश भेजा कि आप संजय गांधी के खिलाफ जारी मुकदमे को वापस ले लें। चरण सिंह ने इन्कार किया तो उनकी सरकार गिरा दी गई।

राजनीति में नैतिकता और सादगी का भी आदर्श प्रस्तुत किया मनमोहन सिंह ने

इतिहास में डॉ मनमोहन सिंह का नाम एक ऐसे प्रधानमंत्री के रूप में दर्ज होगा, जिसने न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती दी, बल्कि राजनीति में नैतिकता और सादगी का भी एक आदर्श प्रस्तुत किया। डॉ. मनमोहन सिंह, जो भारत के 14वें प्रधानमंत्री रहे (2004-2014), भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में अपनी सादगी, विद्वता और नीतिगत उन्हें प्रतिष्ठित राइट्स पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके बाद उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी.फिल की उपाधि प्राप्त की।उनका शिक्षण और शोध कार्य उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक प्रख्यात अर्थशास्त्री के रूप में पहचान दिलाने में सहायक रहा। उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, पंजाब विश्वविद्यालय और जावाहरलाल सुधार, और औद्योगिक लाइसेंस राज को समाप्त करके व्यापार को प्रोत्साहित किया। मनमोहन सिंह अपनी सादगी और ईमानदारी के लिए पूरे राजनीतिक जीवन में आदर्श माने जाते रहे हैं। उनका व्यक्तिगत जीवन बेहद सादा था, और उन्होंने कभी भी राजनीतिक लाभ या व्यक्तिगत संपन्नता के लिए अपने पद का उपयोग नहीं किया। वह न भारतीय राजनीति में एक अलग स्थान प्रदान करता है। उनकी ईमानदारी और सादगी ने न केवल जनता का विश्वास जीता, बल्कि उनके सहयोगियों और विपक्षी दलों ने भी इसे स्वीकार किया। यह उनके चरित्र का प्रमाण है कि वे हमेशा अपने आदर्शों के प्रति प्रतिबद्ध रहे, चाहे परिस्थितियां कितनी भी चुनौतीपूर्ण क्यों न रही हों।मनमोहन जी-20, ब्रिक्स और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उन्होंने भारत के हितों को मजबूती से रखा। उनकी विशेषज्ञता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने उन्हें ठवैश्विक नेताओं में से एक महान विचारकठ कहा था। मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री बनने से पहले विभिन्न विश्वविद्यालयों में पर कभी कोई सवाल नहीं उठाया गया। विपक्ष ने उनकी चुप्पी की आलोचना की, लेकिन उनकी प्रतिबद्धता और नैतिकता पर कभी कोई संदेह नहीं हुआ। उनके कार्यकाल में भारतीय अर्थव्यवस्था ने अभूतपूर्व प्रगति की। 2004 से 2014 तक, भारत ने जीडीपी ग्रोथ में तेजी देखी, और करोड़ों लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे। उन्होंने

दृष्टिकोण के कारण सबसे अलग माने जाते हैं। उन्होंने अपनी विशेषज्ञता, समर्पण और नीति-निर्माण के कौशल से न केवल भारत की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी, बल्कि प्रधानमंत्री के रूप में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई। वह उन नेताओं में से थे, जिन्होंने निजी प्रचार से परे रहकर भारत की सेवा की और देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। इतिहास में उनका नाम एक ऐसे प्रधानमंत्री के रूप में दर्ज होगा, जिसने न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती दी, बल्कि राजनीति में नैतिकता और सादगी का भी एक आदर्श प्रस्तुत किया।डॉ. मनमोहन सिंह भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक मानचित्र पर स्थापित करने वाले प्रमुख व्यक्तियों में से एक हैं। उनकी विद्वता का आधार उनकी अद्वितीय शैक्षणिक पृष्ठभूमि है। उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातक किया, जहां नेहरू विश्वविद्यालय में पढ़ाया। इसके अलावा, वह संयुक्त राष्ट्र के व्यापार और विकास सम्मेलन (ळण्ॐउ) और दक्षिण आयोग जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी सक्रिय रहे। उनकी विशेषज्ञता को देखते हुए उन्हें भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर और योजना आयोग के उपाध्यक्ष जैसे पदों पर नियुक्त किया गया। 1991 में, जब भारत गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा था, तब प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिंह राव ने उन्हें वित्त मंत्री नियुक्त किया। उनके नेतृत्व में देश ने उदारीकरण, निजीकरण, और वैश्वीकरण (एलपीजी) की नीति अपनाई, जिसने भारतीय अर्थव्यवस्था को संकट से बाहर निकाला और उसे तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर किया। विदेशी मुद्रा भंडार जो लगभग खत्म हो गया था, उनके सुधारों के बाद स्थिर हो गया। उन्होंने आयात-निर्यात नीतियों में बदलाव, टैक्स दिखावे में विश्वास रखते थे और न ही भव्यता में। उनकी सादगी का सबसे बड़ा उदाहरण उनका निजी जीवन है। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी वे सामान्य जीवनशैली के प्रति प्रतिबद्ध रहे। वे साधारण भोजन करते थे और हमेशा अपनी पत्नी के साथ एक सामान्य परिवार की तरह जीवन जीते रहे। उन्होंने कभी भी अपने पद का उपयोग करके अपने लिए विशेष सुख-सुविधाएं नहीं जुटाईं।ईमानदारी के मामले में मनमोहन सिंह ने राजनीति में एक उच्च मानदंड स्थापित किया। उनके पूरे करियर में व्यक्तिगत भ्रष्टाचार का एक भी मामला सामने नहीं आया। 2004 से 2014 तक, जब वे प्रधानमंत्री थे, उनके नेतृत्व में कई बार विवाद और घोटाले सामने आए, लेकिन उनकी व्यक्तिगत ईमानदारी पर कभी भी किसी ने सवाल नहीं उठाया। उनकी ईमानदारी का यह स्तर उन्हें सिंह की कार्यशैली अन्य नेताओं से बिल्कुल अलग थी। वे न तो लोकप्रिय नारों के सहारे राजनीति करते थे और न ही व्यक्तिगत आक्रामकता का सहारा लेते थे। उनकी राजनीति का आधार हमेशा नीतिगत निर्णय और दीर्घकालिक लाभ रहा। उन्होंने कभी भी स्वयं को व्यक्तिगत प्रचार के लिए प्रस्तुत नहीं किया। वे शांत और गंभीर स्वभाव के थे, लेकिन उनकी नीतियों और निर्णयों ने हमेशा प्रभाव छोड़ा। उदाहरण के लिए, 2008 में भारत-अमेरिका परमाणु समझौते को पारित करवाने में उनका दृढ़ संकल्प दिखा, जबकि इसके लिए उन्हें काफी राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ा।प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह ने वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को बढ़ाया। उनकी शांत और सटीक कूटनीति ने भारत को एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में प्रस्तुत किया। अध्यापन कार्य किया। वे छात्रों के बीच एक आदर्श शिक्षक के रूप में प्रसिद्ध थे। उनका यह अनुभव प्रधानमंत्री के रूप में नीति-निर्माण में सहायक सिद्ध हुआ। उन्होंने अपनी सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों को हमेशा एक मार्गदर्शक के रूप में प्रेरित किया। मनमोहन सिंह का व्यक्तित्व राजनीति तक सीमित नहीं था। वे एक विद्वान, शिक्षक और प्रशासक भी थे। प्रधानमंत्री बनने से पहले, उन्होंने योजना आयोग के उपाध्यक्ष, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर और वित्त सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। इन सभी भूमिकाओं में उनका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। मनमोहन सिंह अपने पूरे कार्यकाल में व्यक्तिगत विवादों से दूर रहे। हालांकि उनके कार्यकाल के दौरान कई घोटाले (जैसे 2जी स्पेक्ट्रम और कोयला आवंटन) सामने आए, लेकिन उनकी व्यक्तिगत ईमानदारी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), शिक्षा के अधिकार और खाद्य सुरक्षा अधिनियम जैसे कई सामाजिक योजनाओं की शुरुआत की, जिससे भारत के आम नागरिकों का जीवन स्तर बेहतर हुआ। राजनीतिक संतुलन का अद्वितीय कौशल संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) के प्रधानमंत्री के रूप में, उन्हें विभिन्न दलों और विचारधाराओं के साथ सामंजस्य स्थापित करना पड़ा। उनके नेतृत्व में यूपीए ने लगातार दो कार्यकाल पूरे किए, जो उनकी समन्वय क्षमता और धैर्य का प्रमाण है।मनमोहन सिंह ने हमेशा मानवता और शांति को प्राथमिकता दी। उनके कार्यकाल में भारत-पाकिस्तान के बीच शांति वार्ता शुरू हुई, और सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए कई कदम उठाए गए। हालांकि ये प्रयास पूरी तरह सफल नहीं हुए, लेकिन उनकी मंशा पर कोई सवाल नहीं उठा सकता।

स्वर्गीय ज्ञानी जैल सिंह जी की 30वीं पुण्यतिथि सम्मेलन में दिल्ली राजघाट संपन्न हुआ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पूर्व राष्ट्रपति स्व. ज्ञानी जैल सिंह की पुण्यतिथि पर दिल्ली राजघाट पर विराट विश्वकर्मा श्रद्धांजलि महासम्मेलन का आयोजन 25 दिसंबर को सम्पन्न हुआ उनके पौत्र इंद्रजीत सिंह बब्बू जी द्वारा पांचाल ब्राह्मण विश्वकर्मा समाज की एकत्रित करने का कार्य किया। दिल्ली राज काट पर महासम्मेलन में देश के अनेकों विश्वकर्मा संगठनों के सदस्य भाग लेंगे और ज्ञानी जैल सिंह को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किया सपा राष्ट्रीय सचिव पूर्वमन्त्री राम आसरे विश्वकर्मा ने दिल्ली के राजघाट पर पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह की समाधि पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।इस अवसर पर आयोजित विश्वकर्मा समाज के सम्मेलन के सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्वमन्त्री राम आसरे विश्वकर्मा ने कहा ज्ञानी जैल सिंह पंजाब के एक गरीब बढई विश्वकर्मा परिवार में पैदा होकर अपने संघर्ष के बल पर पंजाब के मुख्यमंत्री तथा देश के गृहमंत्री और देश के राष्ट्रपति बने थे।उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि यदि मन में दृढ इच्छाशक्ति हो और नेतृत्व के प्रति सच्ची निष्ठा हो तो ब्यक्ति संघर्ष के बल पर गरीब और पिछडी जाति में पैदा होकर देश के बडे पद पर पहुच सकता है।इसलिए विश्वकर्मा समाज के लोगो को अपने मन से हीनता निकालनी चाहिए और अपनी पहचान के साथ कर्म करना चाहिये।ज्ञानी जैल सिंह विचारक स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी महान देशभक्त और संघर्षशील नेता थे।देश की आजादी की लडाई में अंग्रेज़ों से लडते हुए बार बार जेल

गये इसलिए जेलर ने झुझलाकर इनका नाम जैल सिंह रख दिया। ज्ञानीजी गरीबों और पिछडो वंचितो के लिये आजीवन कार्य करते रहे और राष्ट्रपति जैसे संवैधानिक पद पर रहते हुये भी राष्ट्रपति भवन में विश्वकर्मा समाज के लोगों के लिये एक अलग सेल बनाया था जिसका प्रभारी श्री परमानंद पांचाल को बनाया था।ज्ञानी जैल सिंह अंग्रेजी में भी पढे लिखे थे लेकिन सच्चा देशभक्त और हिन्दी प्रेमी होने के कारण हमेशा मातृभाषा हिन्दी में ही अपना सरकारी कामकाज करते थे।एक बार संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षाओं में हिन्दी लागू करने के प्रश्न पर जब विपक्षी दलों द्वारा धरना दिया जा रहा था तो ज्ञानी जी पूर्व राष्ट्रपति होने के बाद भी हिन्दी लागू करने के लिये प्रोटोकॉल तोडकर संघ लोक सेवा आयोग के सामने धरने पर बैठे थे ताकि गांव के गरीब पिछडे दलित और किसान के लडके हिन्दी माध्यम से परीक्षा देकर आइ ए एस बन सके।25 दिसम्बर 1995 को एक सडक दूर्घटना में उनकी मौत हो गयी।यद्धपि अगर उनका सही समय से इलाज किया गया होता तो उनको बचाया भी जा सकता था।पिछडे वर्गो के आरक्षण को समाप्त करने की साजिश की जा रही है।अब कोई पिछडी जाति का नौजवान चाहे विश्वकर्मा ही क्यों न हो विश्वविद्यालय का प्रोफेसर नहीं बन सकता।पिछडा वर्ग आयोग को संबैधानिक दर्जा देने के नाम पर आयोग के स्वरुप को बदला जा रहा है जिससे भविष्य में आरक्षण का वास्तविक लाभ पिछडे वर्गों न मिल सके।ज्ञानी जैल सिंह आज अगर होते तो कभी चुप नही बैठते समाज के सम्मान को बचाने के लिये अवश्य आगे आते।अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा पूरे देश में 25 दिसम्बर को प्रतिवर्ष ज्ञानी जैल सिंह की पुण्यतिथि मना कर उन्हें याद करती है।श्री विश्वकर्मा ने कहा कि आज सभी विश्वकर्मा समाज के लोगअपने पूर्वज ज्ञानी जैल सिह के ब्यक्तित्व और कृतित्व को याद करे और उनके आदर्शों भी पर चलने का संकल्प लें यही उनके प्रति सच्ची श्रध्दांजलि दिया उन्होंने समाज के लोगों से अपील की है कि वह भारी संख्या में विराट विश्वकर्मा श्रद्धांजलि महासम्मेलन में अपनी उपस्थिति दर्ज किया इंद्रजीत सिंह बब्बू ने पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह एक महान भारतीय राजनेता और सिख धर्म के अनुयायी थे। वह भारत के सातवें राष्ट्रपति थे, और उन्होंने 1982 से 1987 तक इस पद पर कार्य किया। उनका जन्म 5 मई 1916 को और निधन 25 दिसंबर 1994 को हुआ था। ज्ञानी जैल सिंह का जन्म पंजाब के फरीदकोट जिले के गाँव संधवा में हुआ था। वह एक सिख परिवार से ताल्लुक रखते थे और उन्होंने अपनी शिक्षा अमृतसर में प्राप्त की।ज्ञानी जैल सिंह ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1940 के दशक में की, जब उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हुए। उन्होंने पंजाब में कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और बाद में भारतीय संसद के सदस्य बने।1982 में, ज्ञानी जैल सिंह को भारत के राष्ट्रपति के रूप में चुना गया। वह इस पद पर कार्य करने वाले पहले सिख थे। उनके कार्यकाल के दौरान, उन्होंने भारत की आर्थिक और सामाजिक विकास पर विशेष ध्यान केंद्रित किया।ज्ञानी जैल सिंह को उनकी सेवाओं के लिए कई सम्मान और पुरस्कार मिले। उन्हें 1980 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।भारत के पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह

की पुण्य तिथि पर हम उन्हें नमन करते हैं और उनके योगदान को याद करते हैं। वह एक महान नेता और राजनेता थे, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता संग्राम में भी भाग लिया था।उनकी विरासत और योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने अपने जीवनकाल में कई महत्वपूर्ण कार्य किए, जिन्होंने भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।आज उनकी पुण्य तिथि पर, हम उन्हें अपनी श्रद्धांजलि देते हैं और उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लेते हैं। उनकी याद में हमें अपने जीवन में सच्चाई, न्याय और समानता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है।ज्ञानी जैल सिंह जी की पुण्य तिथि पर हम उन्हें नमन करते हैं और उनकी याद में अपने जीवन को बेहतर बनाने का संकल्प लेते हैं।उन्होंने समाज के लोगों से अपील की है कि वह भारी संख्या में विराट विश्वकर्मा श्रद्धांजलि महासम्मेलन में अपनी उपस्थिति दर्ज किया इंद्रजीत सिंह बब्बू ने पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैन सिंह जी की समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया इस मौके पर पूर्व शिक्षा मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा, अमर जीत सिंह, कमलेश सिंह खंबे मोनी बाबा, उज्जैन महाकाल के महामंडलेश्वर अनन्त स्वामी, सी पी शर्मा, राजकुमार विश्वकर्मा, अभिनेता दिवाकर विश्वकर्मा, आदि लोग मौजूद रहे।

ADHUNIK TUTORIALS
" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "
FOR CLASSES 1st 5th
(ADMISSION OPEN)
FACILITIES
- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks
Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)
- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)
- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .
Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

स्प्रेडिंग द वॉर्मथठ प्रोजेक्ट के तहत जरूरतमंदों तक पहुंची गर्माहट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। लोकमंच के शीतकालीन अभियान ठस्प्रेडिंग द वॉर्मथठ के

अंतर्गत आज हमारी टीम ने नोएडा के विभिन्न क्षेत्रों में झुग्गी बस्तियों का दौरा कर साड़ी, शॉल, कंबल और रजाइयां वितरित कीं। सेक्टर 57, 58 और 68 की झुग्गियां: परथला चौक पर कंबल, साड़ियां और शॉल बांटे गए। सेक्टर 122 की झुग्गियां: यहां सभी जरूरतमंद परिवारों को सर्दियों के लिए आवश्यक सामग्री दी गई। डीएस ग्रुप के पास खाली मैदान: इस स्थान पर हमारी टीम ने सामग्री वितरित कर जरूरतमंदों तक राहत पहुंचाई। सेक्टर 53 और 68 की बस्तियां: इन क्षेत्रों में साड़ी और गर्म चादरें बांटी गईं। चार मूर्ति के पास सड़क किनारे राहगीरों और खुले में रहने वालों को कंबल और रजाइयां दी गईं। नोएडा लोकमंच का यह प्रयास न केवल जरूरतमंदों के जीवन में सर्दियों की ठंडक से राहत पहुंचाने का माध्यम बना, बल्कि समाज के प्रति संवेदनशीलता और करुणा को भी दर्शाया। इस अभियान का उद्देश्य न केवल भौतिक सहायता प्रदान करना है, बल्कि हर व्यक्ति को यह संदेश देना है कि वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं और मानवता को आगे बढ़ाएं। हम अपने सभी सहयोगियों, दानदाताओं और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने इस नेक कार्य को सफल बनाया। ठस्प्रेडिंग द वॉर्मथठ जैसे प्रयासों से ही हम एक संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण समाज का निर्माण कर सकते है।

अल्ट्राट्रेक सीमेंट सरलनगर के गेट में पेट्रोल टैंकर फटने से दो श्रमिकों की हुई मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मैहर। अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री में अधिकारियों की लापरवाही से हुई दुर्घटना, मौके पर पहुँचे

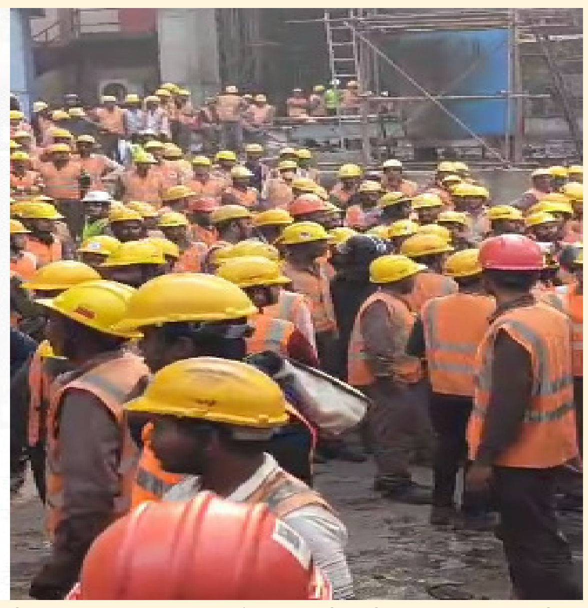

वेल्डिंग करते टाइम पेट्रोल टैंकर फटने से दो मजदूरों की हुई दर्दनाक मौत और कई घायल हुए मजदूरों ने अधिकारियों को दौड़ा दौड़ा कर पीटा स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री में भरे डीजल टैंकर में बैल्डिंग करते समय हुआ ब्लास्टअल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट में हुई घटना में श्रमिक प्रभुदयाल कुशवाहा उम्र 38 वर्ष की मौत शव को सिविल अस्पताल मैहर लाया गया। परिजनों में आक्रोश व्याप्त मजदूरों ने कहा अधिकारियों को मजदूरों ने पुलिस के सामने दौड़ा दौड़ा कर मैहर पुलिस के सामने हो गयी धुनाई, मूकदर्शक बनी रहे पुलिस अधिकारी, प्रबंधक की जमकर लात घूंसों से श्रमिकों ने की पिटाई,पुलिसकर्मियों से हुई नोक झोंक पुलिस कर्मियों को भी पीटने का बना माहौल,मजदूरों ने घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही करने की पुलिस से करी मांग।

सेक्टर 51ए में प्राधिकरण आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। सेक्टर 51 के ए ब्लॉक स्थित सामुदायिक केंद्र में ठप्राधिकरण आपके द्वारठ कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जन स्वास्थ्य, जल एवं सीवर, उद्यान, सिविल आदि विभागों के अधिकारी निवासियों की समस्याएं सुनने के लिए उपस्थित थे। निवासियों ने खुलकर अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिन्हें अधिकारियों ने बड़े धैर्य और संयम के साथ सुना और उनके निवारण का आश्वासन दिया। इस बैठक में गौरव बंसल, राजकमल, अंकित सेंगर, आदर्श, प्रदीप, वीरेंद्र, जगपाल, जगबीर, और ठेकेदार ओंकार उपस्थित थे। निवासियों की ओर से श्रीमती सुरेखा पोपली, श्रीमती मंजू गर्ग, श्रीमती सुमन शर्मा, डॉ. शुक्ला, राजीव बाजपेई, सुशील द्विवेदी, हर्ष तंखा जी, श्रीश जसवाल, हरबिंदर सिंह शाह, पुलकित गुप्ता, और श्रीमती अनीता जोशी आदि ने भाग लिया ।

समाजवादी पार्टी के पी0डी0ए0 ने गाओ में लगाया जन चौपाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री एवं अर्थशास्त्री डॉक्टर मनमोहन सिंह का निधन अत्यंत दुखद एवं भारतीय राजनीति में एक युग का अंत है ।ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोकाकुल परिवार को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करें ।आत्मिक नमन एवं श्रद्धांजलि करते हुए 2 मिनट का शोक सभा किया गया ।माजवादी पार्टी का पी0डी0ए0 जन चौपाल के दूसरे दिन विधानसभा रावटसगंज के धर्मदासपुर घोरावल के उरमौरा ओबरा के सलखन दुद्धि में जन चर्चा का कार्यक्रम किया गया ।जन चौपाल को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा बाबा साहब के संविधान के लिए समाजवादी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता आखिरी दम तक लड़ने का काम करेगा और भाजपा द्वारा चुनाव आयोग जैसी सभी संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा करना चाहती है लेकिन समाजवादी पार्टी ऐसा कभी नहीं होने देगी ।समाजवादी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता गांव गांव जाकर बाबा साहब के संविधान को बताने का काम करेगा और जनता को जागरूक करने का काम करेगा की यह भाजपा सरकार बाबा साहब के संविधान को खत्म करके लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है और पहले जैसे राजाओं जैसा व्यवस्था करना चाहती है जिससे हर गरीब तबका हमेशा परेशान रहे और जैसे पहले राजाओं में गरीबों का दरबार लगता था वैसे लगे, लेकिन समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बाबा साहब के संविधान को कभी खत्म करने नहीं देंगे । पी0डी0ए0 जन चौपाल को संबोधित करते हुए सांसद छोटेलाल सिंह खरवार ने कहा कि यह भाजपा सरकार संविधान विरोधी सरकार है ।भाजपा सरकार को आदिवासियों गरीबों मजदूरों नौजवानों व्यापारियों अल्पसंख्यक और हर तपके के पीछड़ो से कोई लेना देना नहीं है । यह भाजपा सरकार पूंजीपतियों की सरकार है । जन चौपाल को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी पूर्व जिला अध्यक्ष संजय यादव पूर्व गृह प्रत्याशी सुनील गौड़ जिला उपाध्यक्ष रामप्यारे सिंह पटेल अनिल प्रधान अशोक पटेल परमेश्वर यादव अवध नारायण यादव यूथ ब्रिगेड के जिला अध्यक्ष सत्यम पांडे यूवजन के जिला अध्यक्ष बबलू धागर सुरेंद्र यादव मुकेश सिंह मनोज यादव श्याम बिहारी गौड़ यज्ञ नारायण यादव के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

बॉलीवुड/टेली मसाला

अनुपम खेर ने 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' की साझा की याद, बोले- 'वे दयालु और ईमानदार व्यक्ति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर उनका किरदार निभा चुके बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने श्रद्धांजलि दी है। साथ ही द बहुत सी बातों को जाना है। अनुपम खेर ने कहा कि उन पर फिल्म बनी और रिलीज हुई इस बात से मैं खुश हूं। उनका विषय विवादित था लेकिन मनमोहन सिंह एक व्यक्ति में बोलते हैं इस बारे में भी नहीं सोचते हैं। मैंने उनके साथ समय बिताया है, एक दो कार्यक्रमों में भी मिला हूं। वे मेरे प्रति बहुत दयालु और अच्छे व्यवहार के साथ मिले।

एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर को लेकर बात की है। अनुपम खेर ने भी डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने द एक्सिडेंटल प्राइमिनिस्टर फिल्म में मनमोहन सिंह के किरदार निभाया था। पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर अनुपम खेर ने अपनी बातें कही हैं, साथ ही फिल्म के दौरान उनके बारे में जो कुछ भी जाना इस बारे में बात की है। उन्होंने बताया कि पूर्व पीएम से वे कई बार मिले, वे बहुत ही दयालु स्वभाव के व्यक्ति थे। अनुपम खेर ने कहा कि मैंने मनमोहन सिंह के किरदार के साथ डेढ़ साल गुजारा है। मैंने उनके किरदार और रहन सहन को तो देखता ही है लेकिन वो उनके अंदर को भी जानता है। अनुपम खेर ने कहा कि उन्होंने डॉक्टर मनमोहन सिंह के तरीके के अलावा भी उनकी के तौर पर कैसे हैं, यह फिल्म के जरिए सब जान सकते हैं। अनुपम खेर ने कहा कि जब मुझे फिल्म ऑफर हुई मैंने पहले मना कर दिया था, कुछ कारणों से। इसमें राजनीतिक कारण भी शामिल था। उन्होंने कहा कि मुझे लगा कि मैं ये फिल्म करूंगा तो लोग कहेंगे कि उनका मजाकर करने के लिए ये फिल्म बनाई। हालांकि, इस बारे में लोगों ने बात की भी, लेकिन अगर मुझसे कहा जाए कि मुझे अपनी जिंदगी के तीन-चार किरदार चुनने हैं, जो मुझे लगता है कि मैंने पूरी शिद्दत से निभाए हैं तो इसमें एक्सिडेंटल प्राइमिनिस्टर को शामिल करूंगा। अनुपम खेर ने कहा, वे बहुत बहुत बहुत अच्छे व्यक्तित्व के इंसान हैं। मैं सोचकर बोल रहा हूं क्योंकि आजकल लोग शब्द पकड़ते हैं और कहां कैसे किस संदर्भ उन्होंने फिल्म को लिए भी कामना की थी। अनुपम खेर ने आगे कहा कि उनकी सबसे अच्छी क्वालिटी थी, उनकी सुनने की शक्ति। शायद उनके कार्यकाल में ऐसी चीजें हुईं जिसको लेकर विवाद हुआ, लेकिन एक व्यक्ति के तौर पर वे ईमानदार भी थे और देश की इकॉनॉमी के लिए उन्होंने बहुत से काम भी किए। मैं बार बार दयालु शब्द का इस्तेमाल कर रहा हूं क्योंकि आज के समय में दयालुता बहुत कम देखने को मिलती है। इस पोस्ट को लेकर अनुपम खेर ने लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ। मैंने उनके बारे में कई सालों तक जाना है। वे बेहद ईमानदार, महान अर्थव्यवस्था का जानकार और दयालु इंसान थे। कुछ लोग कह सकते हैं कि वे चतुर राजनीतिज्ञ नहीं थे।

बिग बॉस' की इस हसीना को ऑक्सीजन सपोर्ट पर देख चौंके फैंस, पोस्ट कर बयां किया हाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 'बिग बॉस' फेम एक चर्चित अभिनेत्री को ऑक्सीजन सपोर्ट पर देखकर फैंस दंग रह गए हैं। आइए अब उनके हेल्थ लौट पाएंगी या नहीं। सृष्टि रोडे ने अपनी हालत बयां करते हुए पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'मैं आप सभी के साथ कुछ वास्तविक साझा करना चाहती थी। हालांकि मैं अपनी यूरोप ठीक हो रही हूं। निमोनिया में समय लगता है और मेरे डॉक्टर कहते हैं इसमें कई महीने लग सकते हैं, लेकिन मैं प्रयास कर रही हूं, मैं अभी भी कमजोर हूं, लेकिन मैं

अपडेट पर गौर फरमा लेते हैं- 'बिग बॉस 12' फेम अभिनेत्री सृष्टि रोडे ने अपनी हालिया पोस्ट से हर किसी को हैरान कर दिया। साझा की गई तस्वीरों में सृष्टि अस्पताल के बेड पर लेटी नजर आ रही हैं। वहीं, उनकी हालत भी काफी ज्यादा खराब लग रही है। आखिर सृष्टि को क्या हुआ है और वह अभी कहां हैं? आइए जान लेते है सृष्टि रोडे ने पोस्ट कर खुलासा किया कि छुट्टियों के दौरान गंभीर रूप से बीमार पड़ने के बाद उन्हें एम्स्टर्डम के अस्पताल ले जाना पड़ा। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी आपबीती साझा की और लिखा कि एक समय तो उन्हें यकीन नहीं था कि वह भारत यात्रा से खुशी के पल पोस्ट कर रही हूं, लेकिन कहानी का एक हिस्सा ऐसा है जिसे मैंने साझा नहीं किया है। यह कुछ ज्यादा ही कठिन है। एम्स्टर्डम में रहते हुए मैं निमोनिया से गंभीर रूप से बीमार हो गई, और इसने मुझे बुरी तरह प्रभावित किया, मेरा ऑक्सीजन स्तर अचानक गिर गया, और मैं अस्पताल में इतनी कड़ी लड़ाई लड़ रही थी। डर गई कि क्या मैं घर भी पहुंच पाऊंगी।'अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'मेरी हालत इतनी खराब हो गई कि मेरे जाने से पहले ही मेरा वीजा एक्सपायर हो गया। लंबे संघर्ष के बाद, मैं आखिरकार मुंबई वापस आ गई, लेकिन मैं अभी भी आशावान हूं और बेहतर होने पर काम कर रही हूं।'उन्होंने आखिरी में कहा, 'जब मैं सोशल मीडिया से दूर थी तब मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहती हूं जो मेरे पास पहुंचे। आपका समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं आप सभी की बहुत आभारी हूं और मैं जल्द ही मजबूत होकर वापस आऊंगी।' काम के मोर्चे पर, सृष्टि 'ये इश्क हाये', 'छोटी बहू 2', 'पुनर्विवाह' और 'इश्कबाज' सहित कई टेलीविजन शो का हिस्सा रही हैं। 'बिग बॉस 12' के बाद वह कुछ वक्त के लिए 'द कपिल शर्मा शो' में भी नजर आई थीं।

दो भागों में रिलीज होगी विजय देवरकोंडा की 'वीडी 12', निर्माता नागा वामसी ने खोले फिल्म से जुड़े कई राज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। नागा वामसी ने बताया कि 'वीडी 12' दो भागों वाली सीरीज होगी और हर भाग की अगर पवन कल्याण की फिल्म हरि हर वीरा मल्लू की रिलीज उसी दिन पक्की हो जाती है तो फिल्म की रिलीज 28 मार्च से आगे बढ़ाई जा हैं। ऐसे में वे इस फिल्म पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसके अलावा वीडी 12 की शूटिंग तेजी से आगे बढ़ रही है और पूरी होने

कहानी अलग होगी। इस तरह वे दो अलग-अलग फिल्में बन जाएंगी।विजय देवरकोंडा वर्तमान में अपनी आगामी फिल्म की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं, जिसका संभावित नाम 'वीडी 12'है। गौतम तिन्नानुरी द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक एक्शन ड्रामा होगी। प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह के बीच निर्माता नागा वामसी ने फिल्म पर एक बड़ा अपडेट साझा किया। उन्होंने फिल्म की शूटिंग के बारे में बताया। साथ ही कई दिलचस्प बातों का भी खुलासा किया। हाल ही में उन्होंने बताया कि 'वीडी 12' दो भागों वाली सीरीज होगी और हर भाग की कहानी अलग होगी। इस तरह वे दो अलग-अलग फिल्में बन जाएंगी। फिलहाल वीडी 12 की 80 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी है। हालांकि, सकती है।फिल्म के बारे में आगे बात करते हुए नागा वामसी ने कहा, 'वीडी 12 अपने पैमाने से सभी को चौंका देगी। कई लोगों का मानना है कि यह चुपचाप बनाई जा रही एक छोटी फिल्म है, लेकिन यह ठोस है और बड़े पर्दे पर एक बड़ी ट्रीट होगी।' इस बीच पहले खबर आई थी कि विजय देवरकोंडा को वीडी 12 के लिए एक चुनौतीपूर्ण एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान मामूली चोट लग गई थी। चोट के बावजूद, अभिनेता ने ब्रेक नहीं लेने का फैसला किया और तय समय पर काम करना जारी रखा।विजय की पिछली कुछ फिल्में उम्मीद के मुकाबले प्रदर्शन करने में कामयाब नहीं हुई, जिसके बाद उन्होंने काम से लंबा ब्रेक लिया और अब वे दमदार वापसी करने की तैयार में के करीब है। पहले खबर आई थी कि अभिनेता सत्यदेव इस फिल्म में शामिल हो गए हैंखबर है कि वह इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। दूसरी ओर भाग्यश्री बोरसे मुख्य भूमिका निभा सकती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सत्यदेव का किरदार नकारात्मक होगा। फिल्म की कहानी का मुख्य आकर्षक कहानी विजय देवरकोंडा और सत्यदेव के बीच के दृश्य होंगे। सत्यदेव ने कोविड-19 के दौरान लगातार हिट फिल्मों के साथ लोकप्रियता प्राप्त की। उनकी नई फिल्म जेबरा ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया और वर्तमान में ओटीटी प्लेटफॉर्म अहा पर स्ट्रीमिंग कर रही है।

भाईजान के जन्मदिन पर बेबी जॉन का सरप्राइज, वरुण धवन ने सेट से शेयर कीं बीटीएस तस्वीरें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड दबंग सलमान खान का जन्मदिन है। इस खास ही समय में यह पोस्ट वायरल हो गई और प्रशंसक इस पर अपनी प्रतिक्रिया लगातार दे रहे हैं। वरुण तमिल फिल्म थेरी की आधिकारिक रीमेक है, जिसमें दलपति विजय ने मुख्य भूमिका निभाई थी। यह फिल्म

मौके पर वरुण धवन ने अपने स्टाइल में भाईजान को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। दोनों ने साथ में फिल्म बेबी जॉन में कान किया है, जिसमें सलमान को 'एजेंट भाई जान' के रूप में दिखाया गया।सलमान खान का आज 59वां जन्मदिन है। आज सुबह से ही भाईजान को जन्मदिक की ढ़ेरों शुभकामनाएं मिल रही हैं। इसी बीच वरुण धवन यानि बेबी जॉन ने अपने स्टाइल में भाईजान को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं। वरुण धवन ने भी सुपरस्टार सलमान खान को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए फिल्म बेबी जॉन के सेट से कुछ अनदेखी तस्वीरें शेयर की हैं। सलमान खान ने हाल ही में फिल्म बेबी जॉन में कैमियो किया है, जो दर्शकों को बेहद पसंद आया। कुछ धवन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर तस्वीरें शेयर कीं हैं, जिसमें दोनों पोज देते और मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। कैप्शन में लिखा है, ठबेबी जॉन और भाई जान, सबसे छोटे और सबसे शरारती को जन्मदिन की शुभकामनाएं।ठ एक प्रशंसक ने लिखा, ठबेबी जॉन और सिकंदर एक फ्रेम में।ठ एक और प्रशंसक ने लिखा, ठदोनों का पसंदीदा हीरो एक साथ माशाअल्लाह।ठ कई लोगों ने कमेंट सेक्शन में दिल वाले इमोजी भी शेयर किए। हाल ही में बेबी जॉन से सलमान खान का कैमियो सोशल मीडिया पर लीक हुआ था। वीडियो से पता चला कि फिल्म बेबी जॉन में सलमान खान 'एजेंट भाई जान' हैं। वरुण धवन भी सलमान खान के साथ इस एक्शन सीक्वेंस में नजर आए। फिल्म बेबी जॉन क्रिसमस के मौके पर रिलीज हुई है। कलीज द्वारा निर्देशित और एटली द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म में कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी और जैकी श्रॉफ ने भी अहम भूमिका निभाई है। फिल्म को मिश्रित समीक्षाएं मिलीं और इसने बॉक्स ऑफिस पर थेरी से भी कम कमाई की है।काम की बात करे तो वरुण धवन फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में नजर आएंगे। वहीं दूसरी तरफ सलमान खान सिकंदर में नजर आएंगे। आज टीजर रिलीज होना था, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के कारण इसे टाल दिया गया। एक्शन थ्रिलर सिकंदर में सलमान खान के अपोजिट रश्मिका मंदाना नजर आएंगी। यह फिल्म ईद 2025 पर रिलीज होगी।

क्या है सामंथा रुथ का हॉलीडे प्लान अभिनेत्री ने तस्वीरों के जरिए बताया कैसी मना रहीं छुट्टियां

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। क्रिसमस और नए साल पर सितारे भी हॉलीडे मना रहे हैं। ऐसे में सामंथा रुथ प्रभु का क्या प्लान है? उन्होंने फैंस को बताया है।सामंथा रुथ प्रभु इस साल वरुण वरुण धवन के साथ और कुछ शांति की जरूरत है। शायद जिंदगी में किसी योजना का न होना ही वास्तव में योजना का हिस्सा है। इस पर आश्चर्य हो सकता है। लेकिन, आप ऐसा कर सकते हैं'। सामंथा ने अपने पोस्ट के जरिए साफ कर दिया है कि

सीरीज 'सिटाडेलः हनी बनी' में नजर आईं। प्राइम वीडियो पर यह सीरीज नवंबर में रिलीज हुई। फिलहाल सामंथा छुट्टियां मना रही हैं। क्रिसमस और नए साल की छुट्टियां वे किस तरह मना रही हैं? अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ इसकी झलक साझा की है। उन्होंने कई सारी तस्वीरों के जरिए इतना जता दिया है कि फिलहाल वे पूरी तरह आराम करने के मूड में हैं। सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। इसमें कई सारी तस्वीरें हैं। पहली तस्वीर में वे सुकून की नींद लेती नजर आ रही हैं। इसके अलावा उन्होंने तस्वीरों में कुछ प्राकृतिक नजारों की झलक पेश की है और कुछ में मोटिवेशनल कोट्स साझा किए हैं। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'शायद बस घर पर सुकून से बैठना भर काफी है। भागदौड़ में कुछ देर के लिए शायद कुछ ठहराव मिले। इस बहुत व्यस्त दुनिया में एक सादगी भरा जीवन फिलहाल उनकी कोई योजना नहीं है। और छुट्टियों के लिए किसी योजना का नहीं होना ही उनकी प्लानिंग है और वे इसी तरह अपनी छुट्टियां मना रही हैं। अभिनेत्री के पोस्ट से इतना तो साफ है कि फिलहाल जीवन में सकारात्मकता और सुकून उनकी प्राथमिकता है। वे प्रार्थना, प्रकृति और खुद को वक्त दे रही हैं। तस्वीरों में उन्होंने अपने पूजा घर की झलक भी दिखाई है, जहां गणपति बप्पा की मूर्ति के आगे दीए जल रहे हैं।सामंथा अपने अभिनय और करियर के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। उन्होंने अपनी जिंदगी में काफी उतार-चढ़ाव देखे हैं। इस साल उन पर दुखों का पहाड़ टूटा है। दरअसल, अभिनेत्री के सिर से पिता का साया हट गया है। नवंबर में सामंथा के पिता जोसेफ प्रभु का निधन हो गया। वर्क फ्रंट की बात करें तो सामंथा राज और डीके की सीरीज 'रक्त ब्रह्मांड' में नजर आएंगी।

जैकलीन फर्नांडीज के लिए सांता क्लॉज बने सुकेश चंद्रशेखर, जेल से पत्र लिख दिया खास तोहफा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जैकलीन फर्नांडीज को लिखे एक नए पत्र में सुकेश चंद्रशेखर ने खुद को सांता क्लॉज बताया है, जहां उन्होंने उन्हें क्रिसमस के लिए एक फ्रांसीसी देख रहे हैं।' सुकेश ने जैकलीन को दिए अपने विशेष उपहार का भी जिक्र किया। उसने लिखा, 'तुमसे दूर होने के बावजूद, मैं तुम्हारा सांता क्लॉज बनने से नहीं रुक सकता। मेरे पास इस साल तुम्हारे लिए एक बहुत ही

अंगूर का बाग उपहार में दिया है।ठग सुकेश चंद्रशेखर ने तिहाड़ जेल के अंदर से अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को एक और प्रेम पत्र लिखा है। कथित तौर पर सुकेश द्वारा हाथ से लिखे गए पत्र की एक कॉपी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। अपने पत्र में उसने खुद को अभिनेत्री का सांता बताया और फ्रांस में एक पूरा अंगूर का बाग उपहार में देने का जिक्र किया। 25 दिसंबर की तारीख वाला यह पत्र कथित तौर पर सुकेश चंद्रशेखर द्वारा लिखा गया है और जैकलीन फर्नांडीज के लिए है। पत्र की एक कॉपी रेडिट पर वायरल हो गई है। नई दिल्ली के मंडोली जेल से लिखे गए पत्र में उन्होंने जैकलीन को अपनी 'बोम्मा' और 'बेबी गर्ल' कहा और उन्हें क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं। पत्र पर 25 दिसंबर की तारीख है। उसमें लिखा है, 'बेबी गर्ल, तुम्हें मेरी क्रिसमस की शुभकामनाएं मेरे प्यार। साल का एक और खूबसूरत दिन और हमारा सबसे पसंदीदा त्योहार, लेकिन एक दूसरे के बिना। हालांकि, हमारी आत्माएं एक-दूसरे से मजबूती से जुड़ी हुई हैं। मैं बिल्कुल महसूस कर सकता हूं कि हम एक-दूसरे का हाथ थामे हुए हैं और एक-दूसरे को क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए तुम्हारी खूबसूरत आंखों में खास तोहफा है, मेरी जान। आज मैं तुम्हें शराब की बोतल, नहीं बल्कि प्यार के देश फ्रांस में एक पूरा अंगूर का बाग उपहार में दे रहा हूं, जिसका तुमने हमेशा सपना देखा था।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।